ФУТБОЛ. ЧЕМПИОНАТ РОССИИ. ПРЕМЬЕР-ЛИГА. 18-й ТУР

# «ЗЕНИТ» - УЖЕ ЧЕТВЕРТЫЙ!

**Три передачи Андрея Аршавина завершились тремя голами в ворота «Ростова» и принесли команде Дика Адвоката три очка. Дистанция между «Спартаком», идущим на третьем месте, и «Зенитом» сократилась до 5 пунктов**

*11 - 13 сентября 2006 года*

СПОРТ УИК-ЭНД

ФУТБОЛ. Чемпионат России. 18-й тур

## «РОСТОВ» - «ЗЕНИТ» - 1:3

### Дик Адвокат долго запрягал, настала пора быстро ехать

Фото В. ИВАНОВА.

**Питерский «Зенит» одержал первую победу на выезде под руководством Дика Адвоката, после которой команда вышла на четвертую строчку в турнирной таблице. Андрей Аршавин изящно скроил эту победу, сделав три голевые передачи на партнеров. Турецкий форвард Фатих Текке забил четвертый мяч за свою новую команду из обещанных шестидесяти одного. Причем сделал он это уже в пятой игре. Таким запомнился для болельщиков вчерашний матч в Ростове-на-Дону, где наша команда в день города показала мастер-класс местному донскому клубу.**

*(Окончание на 2-й стр.)*

***Три голевые передачи в исполнении Андрея Аршавина поставили на колени «Ростов». Интервью с форвардом «Зенита» читайте на 3-й стр.***

**«РОСТОВ» - «ЗЕНИТ» - 1:3**

**Голы: Текке, 13 (0:1); Риксен, 53 (0:2); Анюков, 60 (0:3); Бурченко, 81 (1:3).**

**«ТОМЬ» - «ШИННИК» - 3:1**

**Голы: Вейич, 27 (1:0); Кульчий, 29 - пенальти (2:0); Леилтон, 53 - пенальти (2:1); Младенов, 90+3 (3:1).**

**«СПАРТАК» Нч - «ЛОКОМОТИВ» - 0:1**

**Гол: Траоре, 12.**

**«САТУРН» - «ДИНАМО» - 3:0**

**Голы: Чеснаускис, 55 (1:0); Лебеденко, 57 (2:0); Еременко, 65 (3:0).**

**Матчи субботы**

**ЦСКА - «СПАРТАК» М - 2:2**

**Голы: Карвалью, 27 (1:0); Йиранек, 35 (1:1); Олич, 63 (2:1); Павлюченко, 81 (2:2).**

**«АМКАР» - «ТОРПЕДО» - 1:0**

**Гол: Кушев, 61 - пенальти.**

**«КРЫЛЬЯ СОВЕТОВ» - «МОСКВА» - 0:4**

**Голы: Бракамонте, 17 (0:1); Барриентос, 80 (0:2); Адамов, 83 (0:3); Адамов, 87 (0:4).**

***19-й тур. 16 сентября, суббота:*** *«Торпедо» - «Ростов», «Шинник» - «Сатурн», «Луч-Энергия» - «Москва».* ***17 сентября, воскресенье:*** *«Локомотив» - «Спартак», «Рубин» - «Спартак» Нч, «Зенит» - «Амкар», «Томь» - ЦСКА.*

***Бомбардиры:*** *Жо (ЦСКА) - 14. Павлюченко («Спартак» М), Лоськов («Локомотив») - 9. Осинов («Ростов»), Погребняк («Томь»), Домингес («Рубин») - 8. Кириченко («Москва») - 7. Топич («Крылья Советов»), Еременко («Сатурн») - 6.*

### Положение на 11 сентября

| | И | В | Н | П | М | О |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. ЦСКА | 19 | 11 | 5 | 3 | 31-17 | 38 |
| 2. «ЛОКОМОТИВ» | 19 | 10 | 6 | 3 | 34-20 | 36 |
| 3. «СПАРТАК» М | 19 | 9 | 8 | 2 | 39-24 | 35 |
| 4. «ЗЕНИТ» | 19 | 7 | 9 | 3 | 26-21 | 30 |
| 5. «МОСКВА» | 19 | 7 | 8 | 4 | 27-20 | 29 |
| 6. «СПАРТАК» Нч | 19 | 8 | 4 | 7 | 25-21 | 28 |
| 7. «ТОМЬ» | 19 | 7 | 7 | 5 | 23-18 | 28 |
| 8. «РУБИН» | 18 | 7 | 6 | 5 | 21-22 | 27 |
| 9. «САТУРН» | 19 | 5 | 11 | 3 | 21-13 | 26 |
| 10. «ЛУЧ-ЭНЕРГИЯ» | 18 | 7 | 3 | 8 | 22-23 | 24 |
| 11. «КРЫЛЬЯ СОВЕТОВ» | 19 | 6 | 6 | 7 | 27-27 | 24 |
| 12. «РОСТОВ» | 19 | 5 | 4 | 10 | 24-36 | 19 |
| 13. «АМКАР» | 19 | 3 | 8 | 8 | 12-27 | 17 |
| 14. «ДИНАМО» | 19 | 3 | 7 | 9 | 17-28 | 16 |
| 15. «ТОРПЕДО» | 19 | 2 | 9 | 8 | 15-25 | 15 |
| 16. «ШИННИК» | 19 | 1 | 5 | 13 | 10-32 | 8 |

НАЦИОНАЛЬНЫЕ ЧЕМПИОНАТЫ

## ХЕТ-ТРИК ВАН НИСТЕЛРОЯ!

### Новобранец «Реала» вчера уничтожил «Леванте»

**ИСПАНИЯ. 2-й тур**

**Главный тренер сборной Голландии Марко ван Бастен, похоже, поставил крест на бомбардире, не вызвав экс-форварда «Манчестер Юнайтед» и новичка «Реала», находящегося в отличной форме, на матчи «оранжевых» в отборочном турнире ЧЕ-2008. Ответ ван Нистелроя последовал незамедлительно...**

**«Леванте» - «Реал» - 1:4.** Голы: ван Нистелрой, 17 (0:1); Кассано, 27 (0:2); Эттьен, 36 (1:2); ван Нистелрой, 67 (1:3); ван Нистелрой, 90 (1:4). Удаление: Дейю, 29; Камачо, 84 (оба - «Леванте»).

**«Бетис» - «Атлетик» - 3:0.** Голы: Хуанито, 19 (1:0); Эду, 40 (2:0); Капи, 83 (3:0).

**«Хетафе» - «Расинг» - 1:0.** Гол: Гуица, 59.

**«Химнастик» - «Сельта» - 1:2.** Голы: Байяно, 43 (0:1); Портильо, 68 - пенальти (1:1); Нене, 75 (1:2).

**«Вильярреал» - «Рекреативо» - 0:1.** Гол: Карцола, 82.

**«Мальорка» - «Депортиво» - 0:0.**

**«Реал Сосьедад» - «Севилья» - 1:3.** Голы: Корейра, 8 (0:1); Канут, 75 (0:2); Лабака, 89 - в свои ворота (0:3); Де Серио, 90 (1:3).

**«Сарагоса» - «Эспаньол» - 3:0.** Голы: Пабло Аймар, 37 (1:0); Милито, 82 (2:0); Оскар, 83 (3:0). Удаления: Понцио («Сарагоса»), 31; Коста («Эспаньол»), 68.

| | И | В | Н | П | М | О |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. «Севилья» | 2 | 2 | 0 | 0 | 7-1 | 6 |
| 2. «Барселона» | 2 | 2 | 0 | 0 | 6-2 | 6 |
| 3. «Хетафе» | 2 | 2 | 0 | 0 | 3-0 | 6 |
| 4. «Валенсия» | 2 | 2 | 0 | 0 | 3-1 | 6 |
| 5. «Реал» | 2 | 1 | 1 | 0 | 4-1 | 4 |
| 6. «Депортиво» | 2 | 1 | 1 | 0 | 3-2 | 4 |
| 7. «Рекреативо» | 2 | 1 | 1 | 0 | 2-1 | 4 |
| 8. «Сарагоса» | 2 | 1 | 0 | 1 | 5-3 | 3 |
| 9. «Бетис» | 2 | 1 | 0 | 1 | 4-2 | 3 |
| 10. «Сельта» | 2 | 1 | 0 | 1 | 4-4 | 3 |
| 11. «Химнастик» | 2 | 1 | 0 | 1 | 2-2 | 3 |
| 12. «Атлетико» | 2 | 1 | 0 | 1 | 1-1 | 3 |
| 13. «Мальорка» | 2 | 0 | 2 | 0 | 1-1 | 2 |
| 14. «Вильярреал» | 2 | 0 | 1 | 1 | 0-1 | 1 |
| 15. «Реал Сосьедад» | 2 | 0 | 1 | 1 | 2-4 | 1 |
| 16. «Атлетик» | 2 | 0 | 1 | 1 | 1-4 | 1 |
| 17. «Расинг» | 2 | 0 | 0 | 2 | 0-2 | 0 |
| 18. «Эспаньол» | 2 | 0 | 0 | 2 | 0-4 | 0 |
| 19. «Осасуна» | 2 | 0 | 0 | 2 | 0-5 | 0 |
| 20. «Леванте» | 2 | 0 | 0 | 2 | 1-8 | 0 |

**ИТАЛИЯ. 1-й тур**

**«Аталанта» - «Асколи» - 3:1.** Голы: Дзампанья, 32 (1:0); Вентола, 38 (2:0); Вентола, 44 (3:0); Бьеланович, 60 (3:1).

**«Мессина» - «Удинезе» - 1:0.** Гол: Дзанки, 74.

**«Палермо» - «Реджина» - 4:3.** Голы: Брешиано, 11 (1:0); Бьява, 17 (2:0); Корини, 28 - пенальти (3:0); Бьянки, 42 (3:1); Бьянки, 55 (3:2); Амаури, 67 (4:2); Бьянки, 79 - пенальти (4:3). Удаление: Ароника («Реджина»), 62.

**«Сампдория» - «Эмполи» - 1:2.** Голы: Банаццоли, 9 (1:0); Буше, 26 (1:1); Саудати, 51 - пенальти (1:2). Удаление: Фальконе («Сампдория»), 50.

**«Милан» - «Лацио» - 2:1.** Голы: Ф. Индзаги, 27 (1:0); Оливейра, 70 (2:0); Макинва, 73 (2:1).

**«Кальяри» - «Катания» - 0:1.** Гол: Корона, 55.

**«Торино» - «Парма» - 1:1.** Голы: Будан, 55 (0:1); Стеллоне, 72 (1:1).

**АНГЛИЯ. 4-й тур**

**«Вест Хэм» - «Астон Вилла» - 1:1.** Голы: Риджуэлл, 4 (0:1); Замора, 53 (1:1).

| | И | В | Н | П | М | О |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. «Манчестер Юн.» | 4 | 4 | 0 | 0 | 11-2 | 12 |
| 2. «Портсмут» | 4 | 3 | 1 | 0 | 8-0 | 10 |
| 3. «Эвертон» | 4 | 3 | 1 | 0 | 8-2 | 10 |
| 4. «Челси» | 4 | 3 | 0 | 1 | 8-3 | 9 |
| 5. «Астон Вилла» | 4 | 2 | 2 | 0 | 6-3 | 8 |
| 6. «Болтон» | 4 | 2 | 1 | 1 | 4-3 | 7 |
| 7. «Фулхэм» | 4 | 2 | 1 | 1 | 5-7 | 7 |
| 8. «Вест Хэм» | 4 | 1 | 2 | 1 | 6-5 | 5 |
| 9. «Ливерпуль» | 3 | 1 | 1 | 1 | 3-5 | 4 |
| 10. «Манчестер С.» | 3 | 1 | 1 | 1 | 1-3 | 4 |
| 11. «Мидлсбро» | 4 | 1 | 1 | 2 | 5-9 | 4 |
| 12. «Рединг» | 3 | 1 | 0 | 2 | 4-5 | 3 |
| 13. «Уиган» | 3 | 1 | 0 | 2 | 2-3 | 3 |
| 14. «Ньюкасл» | 3 | 1 | 0 | 2 | 3-5 | 3 |
| 15. «Тоттенхэм» | 4 | 1 | 0 | 3 | 2-5 | 3 |
| 16. «Чарльтон» | 4 | 1 | 0 | 3 | 4-8 | 3 |
| 17. «Арсенал» | 3 | 0 | 2 | 1 | 2-3 | 2 |
| 18. «Шеффилд Юн.» | 4 | 0 | 2 | 2 | 1-4 | 2 |
| 19. «Блэкберн» | 4 | 0 | 2 | 2 | 1-6 | 2 |
| 20. «Уотфорд» | 4 | 0 | 1 | 3 | 3-6 | 1 |

**ФРАНЦИЯ. 4-й тур**

**«Тулуза» - «Нанси» - 2:2.** Голы: Батлес, 13 (1:0); Ким, 54 (1:1); Курбело, 64 (1:2); Акпро, 90 (2:2). Удаление: Батлес («Тулуза»), 58.

**ПСЖ - «Марсель» - 1:3.** Голы: Ньянг, 7 - пенальти (0:1); Паулета, 22 - пенальти (1:1); Насри, 68 (1:2); Пажич, 89 (1:3).

| | И | В | Н | П | М | О |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. «Лион» | 4 | 4 | 0 | 0 | 11-3 | 12 |
| 2. «Марсель» | 4 | 3 | 1 | 0 | 8-1 | 10 |
| 3. «Лорьян» | 4 | 2 | 2 | 0 | 8-5 | 8 |
| 4. «Ланс» | 4 | 2 | 1 | 1 | 7-4 | 7 |
| 5. «Лилль» | 4 | 2 | 1 | 1 | 6-3 | 7 |
| 6. «Сент-Этьен» | 4 | 2 | 1 | 1 | 7-6 | 7 |
| 7. «Сошо» | 4 | 2 | 1 | 1 | 7-6 | 7 |
| 8. «Нанси» | 4 | 2 | 1 | 1 | 4-3 | 7 |
| 9. «Ле Ман» | 4 | 2 | 1 | 1 | 5-5 | 7 |
| 10. «Тулуза» | 4 | 2 | 1 | 1 | 5-5 | 7 |
| 11. «Бордо» | 4 | 2 | 0 | 2 | 6-7 | 6 |
| 12. «Монако» | 4 | 1 | 1 | 2 | 4-5 | 4 |
| 13. «Валансьен» | 4 | 1 | 1 | 2 | 6-8 | 4 |
| 14. «Ренн» | 4 | 1 | 1 | 2 | 5-7 | 4 |
| 15. «Осер» | 4 | 1 | 1 | 2 | 3-6 | 4 |
| 16. «Седан» | 4 | 0 | 3 | 1 | 4-5 | 3 |
| 17. ПСЖ | 4 | 1 | 0 | 3 | 6-9 | 3 |
| 18. «Нант» | 4 | 0 | 2 | 2 | 4-8 | 2 |
| 19. «Труа» | 4 | 0 | 1 | 3 | 2-6 | 1 |
| 20. «Ницца» | 4 | 0 | 0 | 4 | 3-9 | 0 |

СУДЕЙСКИЙ ВОПРОС

## ПОБЕДУ В САМАРЕ ВЫБИВАЛИ КУЛАКОМ

Ближе к концу матча в Раменском динамовец Данни выразил свое неудовольствие судейством арбитра, плюнув в его сторону. Схлопотал удаление. Вряд ли сегодня удивит кого подобная картина. К футбольным судьям отношение, мягко скажем, специфическое. Особенно в последнее время это заметно, когда наш футбол чуть ли не ежедневно сотрясается от больших и малых судейских и околосудейских скандалов.

Накануне в Самаре история произошла куда серьезнее. В перерыве футбольного матча «Крылья Советов» - «Москва» (0:4) спортивный директор клуба «Крылья Советов» Авалу Шамханов и генеральный директор команды Олег Гроховский попытались взять приступом главного арбитра встречи Александра Евстигнеева, угрожали ему физической расправой, а также нанесли удар кулаком в грудь, сообщает samru.ru. В результате в протоколе игры появилась следующая запись: «После окончания первого тайма, при входе в административное здание, где расположены раздевалки команды и судейская, спортивный директор команды «Крылья Советов» ударил кулаком в грудь главного арбитра с угрозами физической расправы, а генеральный директор команды «Крылья Советов» Гроховский О. В. угрожал физической расправой всей судейской бригаде».

Стало известно, что Коллегия футбольных арбитров в понедельник направит в РФС обращение с просьбой максимально жестко наказать виновных, сообщает официальный сайт РФС.

«В случае, если факты физического воздействия и угроз судьям данного матча со стороны официальных лиц самарского клуба окончательно подтвердятся, то мы будем в понедельник просить РФС через дисциплинарный орган – КДК РФС – максимально жестко наказать виновных в этом в этом вопиющем поступке», - заявил президент КФА Сергей Зуев.

Да, наши судьи – не ангелы, и лишнее подтверждение тому – нынешнее расследование, которое проводит ныне Прокуратура РФ в отношении футбольного судьи Кулалаева. Но куда же мы дальше придем, если арбитры в порядке вещей будут получать тумаки в подтрибунных помещениях и на улице? Если уже раздаются угрозы их жизни, как было это с Валентином Ивановым? Что же – в бронежилеты и каски всех теперь нарядить и по взводу автоматчиков для охраны приставить?

**ВНИМАНИЮ ЧИТАТЕЛЕЙ И РАСПРОСТРАНИТЕЛЕЙ!**

**Следующий номер газеты выйдет в четверг, 14 сентября**

СРОЧНО! ВОЛЕЙБОЛ. ЖЕНЩИНЫ. ГРАН-ПРИ

**Финал.** РОССИЯ - Бразилия - 1:3 (20:25, 20:25, 25:23, 17:25)

**Матч за 3-е место.** Италия - Куба - 3:2 (25:17, 25:15, 23:25, 23:25, 15:11)

ФУТБОЛ. Чемпионат России. 18-й тур

# ДИК АДВОКАТ ДОЛГО ЗАПРЯГАЛ, НАСТАЛА ПОРА БЫСТРО ЕХАТЬ

## Благодаря трем передачам Аршавина и голам-красавцам Текке, Риксона и Анюкова питерцы сделали решительный шаг к медалям

*(Окончание. Начало на 1-й стр.)*

Игра началась атаками «Зенита», который вышел на этот поединок с двумя нападающими. Не трудно было догадаться, что в отсутствие больного Александра Кержакова ими станут Андрей Аршавин и Фатих Текке, которые могли отличиться уже в дебюте матча. Бросалась в глаза сыгранность во взаимодействии питерских форвардов, которые, словно коршуны, кружили на подступах к штрафной «Ростова». Дик Адвокат приехал на Дон за тремя очками, и ведомая его волей команда с первых же минут принялась осуществлять свой план на игру. Хотя наставник хозяев Сергей Балахнин, казалось бы, предпринял все меры, чтобы воспрепятствовать гостевому натиску. Он соорудил «кулак» из пяти полузащитников в середине поля, чтобы таким образом нейтрализовать зенитовскую атаку. К тому же «Ростову» нужно было срочно реабилитироваться в глазах своих болельщиков за разгром в предыдущем туре от «Москвы». Но события на поле разворачивались совсем не так, как планировали донские командиры. И уже на 13-й минуте дуэт Аршавин – Текке спел свою песню. «Стенка» в одно касание получилась великолепная. Ее смело можно заносить в футбольные учебники, поскольку оба форварда сыграли выше всяких похвал, разорвав оборону «Ростова» по центру ворот.

Здесь, видимо, надо сказать несколько слов о составе «Зенита», который в этом матче выглядел не совсем привычно. В защите отсутствовал «столп обороны» Эрик Хаген, видимо, отдавший много сил в матчах за сборную. Остался в запасе Ли Хо, похоже, уступивший в «Зените» свою позицию Фернандо Риксену. Но можно не сомневаться, что без боя кореец ее не отдаст. Ну а на правом фланге в отсутствие травмированного Игоря Денисова, который в последних матчах довольно часто появлялся на этом месте, обосновался уже подзабытый болельщиками Хён Ён Мин. Корейский полузащитник с первых же минут своего выхода на поле делал все, чтобы быть максимально полезным команде. Но порой действовал излишне жестко, за что и был наказан «горчичником», а после перерыва заменен.

Впрочем, на рисунке игры перестановка слагаемых не сказалась. «Зенит» уверенно контролировал мяч, как будто матч проходил не на поле «Ростова», а на родном «Петровском». Правда, после забитого гола питерцы немного сбавили обороты, чем хозяева тут же воспользовались, организовав несколько опасных атак, после которых мяч попадал и штангу и становился нелегкой добычей Вячеслава Малафеева, сумевшего «прочитать» удар Юрия Лайзанса. Но это, по большому счету, была лишь эпизодическая вспышка в хозяйской активности. «Зенит» прочно держал нити игры в своих руках. В чем после перерыва все убедились.

На поле в составе питерской команды появился Ли Хо, сразу же добавивший зенитовцам движения. Но главная опасность для ростовчан все-таки исходила от своеобразного зенитовского треугольника Аршавин – Текке – Риксен, которые и вели практически всю игру. При этом каждый из них был по-своему хорош. Андрей Аршавин не только демонстрировал поразительное чувство мяча, но и в случае его потери тигром бросался вдогонку за теми, кто отбирал у него любимую игрушку, и преследовал соперника до тех пор, пока мяч снова не возвращался «Зениту». Фатих Текке, как всегда, был неподражаем на «втором этаже», не забывая в случае атаки «Ростова» возвращаться в свою штрафную и помогать там защитникам. Ну а Фернандо Риксен, казалось, успевал везде. Даже рассеченная бровь не остановила наступающий порыв голландца. Поэтому вдвойне непонятно, что они после финального свистка не поделили с Владиславом Радимовым. Хотя, забегая вперед, скажем, что, по словам Александра Анюкова, в раздевалке все закончилось крепким мужским рукопожатием.

Так вот, именно Риксен и, конечно же, Аршавин стали героями следующего эпизода, который завершился великолепным прострелом россиянина и не менее эффектным ударом голландца. Как на тренировке «Зенита» на базе в Удельном парке.

Ну а дальше настала пора «выстрелить» еще одной связке Аршавин – Анюков, организовавшей третий гол. Причем на острие атаки оказался зенитовский защитник, на откуп которому после замены Хён Ён Мина была отдана вся бровка. Голевую атаку, кстати, начал Радек Ширл, эффектно крутанувшийся с мячом в середине поля.

К чести хозяев, после третьего пропущенного гола они не опустили руки и продолжали играть до финального свистка. В итоге незадолго до конца матча вышедшему на замену Бурченко удалось вколотить в «девятку» сумасшедший удар с лета. Но лавры ростовчанина чуть было не перешли к Александру Панову, также появившемуся на поле уже под занавес встречи. Однако его удар парировал голкипер хозяев Андрей Чичкин, который, кстати, уберег «Ростов» в этом матче еще как минимум от пары голов.

Таким образом, «Зенит» не просто победил. Своей уверенной игрой питерцы, кажется, окончательно убедили болельщиков: побороться за медали в нынешнем сезоне им вполне реально.

***Вадим ФЕДОТОВ, из Ростова-на-Дону.***

Фото В. ИВАНОВА.

***Фатих Текке продолжает исправно забивать за «Зенит». В матче с «Ростовом» он записал на свой счет четвертый гол. Теперь ему осталось всего лишь 57 раз поразить ворота соперника, чтобы выполнить свое обещание.***

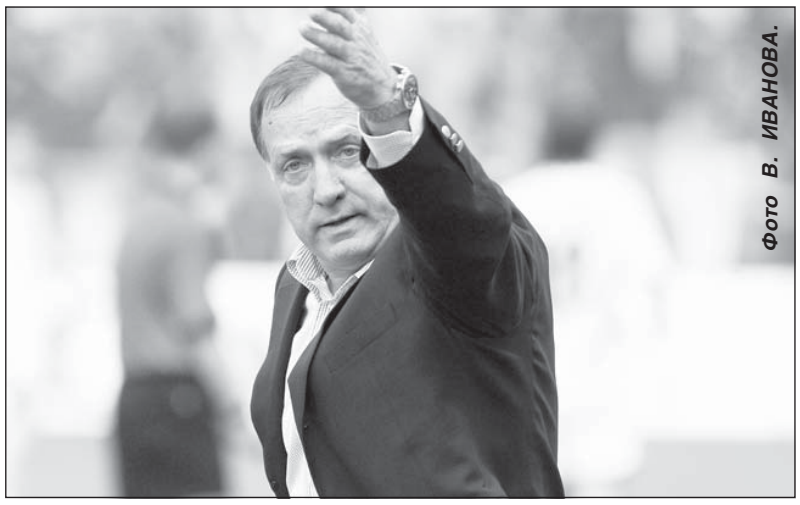

Фото В. ИВАНОВА.

### «Ростов» - «Зенит» - 1:3 (0:1)

10 сентября. Ростов-на-Дону. Стадион СКА. 9200 зрителей.
**Главный судья** - Михаил Веселовский.
**Ассистенты** - Леонид Койда, Игорь Котовский (все - Москва).
**Резервный арбитр** - Владимир Казьменко (Ростов-на Дону).
**Делегат матча** - С.Н. Шапиро.
**«Ростов»:** Чичкин, Гутьеррес, Танасьевич, Вьештица, Крушчич, Калачев, Бочков (Бурченко, 80), Осинов, Данцев (Бузникин, 46), Лайзанс, Каньенда (Перез, 63).
**«Зенит»:** Малафеев, Анюков, Шкртел, Крижанац, Ким Дон Чжин, Ширл, Хён Ён Мин (Ли Хо, 46), Радимов, Риксен (Спивак, 89), Аршавин (Панов, 83), Текке.
**Запасные «Зенита»:** Чонтофальски, Мареш, Хаген, Горшков.
**Голы:** Текке, 13 (0:1); Риксен, 53 (0:2); Анюков, 60 (0:3); Бурченко, 81(1:3).
**Предупреждения:** Хён Ён Мин, 38; Ширл, 44; Лайзанс, 55; Бочков, 70; Малафеев, 86; Бурченко, 87.
**Угловые:** 2 - 3. **Удары (в створ):** 9 (3, из них 1 штанга) - 15 (11).
**Голевые моменты:** 3 - 6.
**Время матча:** первый тайм - (45+1); второй тайм - (45+3); всего - 94 минуты.

ОЦЕНКИ

# ИГРАЛИ ДИСЦИПЛИНИРОВАННО, МОБИЛЬНО, КРАСИВО

## Игру зенитовцев по 10-балльной шкале оценивал Герман ЗОНИН

**Вячеслав МАЛАФЕЕВ - 7,5**
**Мартин ШКРТЕЛ - 7,0**
**Ивица КРИЖАНАЦ - 7,0**
**Ким Дон ЧЖИН - 6,5**
**Александр АНЮКОВ - 7,5**
**Фернандо РИКСЕН - 7,5**
**Владислав РАДИМОВ - 7,0**
**Радек ШИРЛ - 7,0**
**Хён Ён МИН - 6,5**
**Андрей АРШАВИН - 7,5**
**Фатих ТЕККЕ - 7,5**
**Ли ХО - 6,5**
**Александр ПАНОВ - б/о**
**Александр СПИВАК - б/о**

- Команда провела в Ростове отличный матч, - **сказал в интервью «Спорт уик-энду» наш футбольный эксперт Герман Зонин.** - «Зенит» играл дисциплинированно и мобильно. Игроки грамотно выходили из обороны в атаку, прессинговали ростовчан на чужой половине поля, показали хорошее взаимодействие во всех линиях. Атаки попеременно развивались на обоих флангах, серьезное давление на ворота хозяев осуществлялось, впрочем, и по центру. В итоге - заслуженная победа.

Особо мне понравились шесть игроков, пятеро из которых получили оценки 7,5. Александр Панов остался без оценки, поскольку провел на поле семь минут. Однако даже за это время он нашел момент, чтобы серьезно угрожать воротам соперника. Жаль, что не забил. Но если он и дальше будет играть с таким желанием, за голами дело не станет. Я в него верю.

Об остальных скажу самое главное.

**Вячеслав МАЛАФЕЕВ** несколько раз спас команду.

**Александр АНЮКОВ** развил такую активность на фланге, что обязательно должен был забить. И ведь забил! Напомню, что и в предыдущем матче с «Амкаром» Саша действовал очень остро, и после его прострела защитник пермяков Черенчиков срезал мяч в собственные ворота.

**Фернандо РИКСЕНА** хвалю за активность, движение. Он нашел за короткий срок взаимодействие с Радимовым.

**Фатих ТЕККЕ** прекрасно выбирает позицию. Вчера сделал хорошую паузу, когда забивал гол, уложив вратаря в другой угол. Хорошо боролся вверху. Очень понравилось, что отходил назад при атаке соперника.

**Андрей АРШАВИН** вел игру. Три голевые передачи - этим все сказано. Лучше всех был в сборной и в «Зените» - тоже. Видно, что наращивает обороты, идет в обводку, охотно бьет по воротам.

«Зенит» уже на четвертой позиции в турнирной таблице. До «зоны Лиги чемпионов» - всего шесть очков. Думаю, что вся борьба впереди. И в ней у «Зенита» хорошие шансы.

**НУДО Футбольная Школа «Коломяги» объявляет о наборе мальчиков и девочек в группы : 2000 г.р., 1999 г.р., 1998 г.р., 1997 г.р., 1996 г.р.**

Отбор будет проводиться по вторникам и четвергам в **15.00**. При себе иметь спортивную форму.

О наборе в более старшие группы можно узнать по телефонам: ***Т. 303-15-69 и 301-10-76***

КАК ЭТО БЫЛО

**2-я минута.** Аршавин переправил мяч на Текке, который принял его на грудь и с ходу пробил по воротам. Чичкин на месте.

**4-я минута.** Аршавин прошел по флангу и сделал прострел в район одиннадцатиметровой отметки на Текке, но турецкий форвард уже проскочил точку встречи с мячом.

**6-я минута.** После подачи углового слева мяч снова отскочил к Аршавину, который не раздумывая отправил его обратно в штрафную, откуда Шкртел наносил удар по воротам Чичкина. Очередной угловой уже с правого фланга закончился тем, что ростовчане чуть было сами не забили в свои ворота.

**13-я минута.** Шкртел переправил мяч на Текке, который в касание сыграл с Аршавиным, получил ответный пас от зенитовской «десятки», после чего развел вратаря и мяч по разным углам - **0:1.**

***16-я минута.*** *Осинов нанес удар со штрафного с левого фланга. Мяч описал полудугу в штрафной «Зенита» и, никого не задев, попал в штангу.*

**22-я минута.** Малафеев спас «Зенит» после того, как Лайзанс последовательно обыграл Ширла, Крижанаца и Шкртела, вошел в штрафную и нанес удар в дальний угол. Но Слава угадал направление удара.

***25-я минута.*** *Каньенда получил мяч в районе штрафной и с ходу пробил по воротам. Мяч от ноги Крижанаца ушел на угловой.*

**34-я минута.** Риксен перехватил мяч, протащил его к штрафной соперника и сделал передачу на Текке. На этот раз турецкий форвард пробил выше ворот.

***45-я минута (+1).*** *В борьбе с Каньендой в штрафной «Зенита» упал Шкртел. Мяч отскочил к Осинову, который пробил по воротам, но попал в лежащего на газоне Ким Дон Чжина. А ведь мог и в ворота.*

**52-я минута.** Риксен с правого фланга навесил в штрафную на Текке, который выиграл борьбу на «втором этаже» у защитника и пробил головой в нижний угол. Чичкин в отчаянном прыжке спас «Ростов», а затем еще и парировал удар Радимова с дальней дистанции.

**53-я минута.** Аршавин прошел по флангу и сделал нацеленную передачу на набегавшего в штрафную Риксена, которую пробил с лета, в касание, точно в угол - **0:2.**

***57-я минута.*** *Лайзанс получил мяч в штрафной «Зенита», но замешкался с ударом, и хороший момент был упущен.*

**60-я минута.** Очередную голевую атаку «Зенита» начал Ширл, эффектно обыгравший в середине поля двух защитников. Мяч подхватил Аршавин, протащил его до штрафной соперника и сделал передачу на Анюкова, который сыграл на опережение и забил третий гол - **0:3.**

**63-я минута.** Текке бил головой в ближний угол, но промахнулся.

***75-я минута****. После розыгрыша штрафного Танасьевич мощно «зарядил» с 30 метров, но мимо ворот.*

**77-я минута.** Риксен поборолся в воздухе за мяч. Аршавин его подобрал и с ходу пробил по воротам. Но не попал в створ.

**80-я минута.** Аршавин обыграл защитника, сыграл с Риксеном. Голландец переправил мяч Текке, который пробил с 30 метров, но попал прямо в голкипера.

***81-я минута.*** *Вышедший на замену Бурченко буквально первым касанием забил красивый гол, с лета после навеса с фланга пробив в «девятку» -* ***1:3.***

**83-я минута.** Панов в падении переправлял мяч в ворота «Ростова». Но Чичкин в очередной раз спас свою команду.

***85-я минута.*** *Лайзанс сыграл в штафной «Зенита» в «стенку» с Каньендой, но пробил выше ворот.*

С ПРЕСС-КОНФЕРЕНЦИИ

# Дик АДВОКАТ, главный тренер «Зенита»: Я ЛЮБЛЮ, КОГДА ИГРОКИ ПОДСКАЗЫВАЮТ ДРУГ ДРУГУ

- Думаю, мы заслужили победу. По ходу матча нам удавалось контролировать игру и забить хорошие голы, но у нас возникали проблемы на некоторых участках поля, которые нужно изживать. Поэтому временами «Ростов» имел моменты. Тем не менее я рад, что нам удалось одержать победу на выезде.

***- Сегодня «Зенит» отметился коллективной игрой. Поэтому вызывает удивление, что же не поделили Риксен и Радимов?***

- Я уже обсуждал с ними эту ситуацию. Они оба хотели выиграть. Мы должны осознавать, что если кто-то что-то сказал, это тоже является частью футбола. Игроки должны на поле друг другу подсказывать, чтобы сделать команду лучше, сильнее, чтобы избежать ошибок. Я люблю, когда футболисты это делают.

***- Могли бы вы выделить кого-нибудь в своей команде?***

- Это - дело журналистов. Для меня главное - как она играла. Один человек не может выиграть матч.

***- Каково состояние здоровья Кержакова?***

- Вчера у него была легкая тренировка, сегодня он также проводит занятия. Но до этого он не тренировался 14 дней и потерял 4 килограмма веса. На следующей неделе будет видно, какое у него физическое состояние.

Фото В. ИВАНОВА.

Фото В. ИВАНОВА.

*Что подсказывали друг другу в конце матча с «Ростовом» Владислав Радимов и Фернандо Риксен?*

# Сергей БАЛАХНИН, главный тренер «Ростова»: В ИГРЕ С ТАКИМ СОПЕРНИКОМ НЕЛЬЗЯ ОШИБАТЬСЯ

- Снова допустили грубейшие ошибки в обороне. При этом играли с приличной командой, которая выше классом. В игре с таким соперником нельзя ошибаться. По первому тайму нельзя сказать, что у нас были какие-то проблемы. При равной игре «Зенит» использовал свои моменты, мы - нет. Футболисты гостей быстрее думали и переходили центр поля. Мы, может быть, даже бегали быстрее них, но они делали это эффективнее. Если бы в первом тайме наша команда использовала свои моменты и не пропустила второй гол, все могло быть иначе. Выбрасывают аут, наш защитник зевает - прострел вдоль ворот и гол.

***- Сегодня вы выставили 5 полузащитников...***

- Мы знали, какая у «Зенита» средняя линия, поэтому решили насытить и свою, чтобы не дать разбежаться сопернику.

***Вадим ФЕДОТОВ, из Ростова.***

ПОСЛЕ МАТЧА

# Андрей АРШАВИН: МЫ НАКАЗАЛИ «РОСТОВ» ЗА АВАНТЮРНЫЙ ФУТБОЛ

**Форвард «Зенита» стал, по сути, одним из главных героев матча. Все три мяча были забиты после его голевых передач. По окончании встречи Андрей ответил на вопросы корреспондента «Спорт уик-энда».**

***- В среду вы провели сложный матч за сборную. Насколько трудно было восстановиться к игре с «Ростовом»?***

- В принципе, мне дали выходной. Сказалась и помощь доктора, который дал мне необходимые восстановительные препараты. Так что с подготовкой никаких проблем не было

***- Как оцениваете прошедшую игру?***

- Для нас матч сложился легко. Мы в быстром темпе провели первый тайм, да и во втором удалось забить два быстрых гола. Одним словом, все получилось.

***- Можно сказать, что сегодня «Зенит» полностью превзошел «Ростов» и одержал победу за счет класса?***

- Отвечу так. Первые 15 минут инициативой владели мы, затем хозяева поля. Когда же нам удалось забить, «Ростов» стал играть в авантюрный футбол, атаковать большими силами, поскольку ему было уже все равно, с каким счетом проигрывать. Так что здесь хозяева были раскрепощены.

***- Какое впечатление произвел на вас стадион СКА?***

- Поле было очень плохое, но сам стадион уютный. Если бы на нем еще на втором ярусе сделали сидения, то было бы совсем неплохо.

***- Можно ли назвать победу «Зенита» закономерной?***

- Если судить по конечному результату, то - да. Но стань счет 1:1 - неизвестно, как все сложилось бы дальше.

***- Давно ли вам доводилось оформлять сразу три голевые передачи?***

- Такое в моей практике случалось, но когда конкретно, вспомнить не могу.

***- Когда игра была практически уже сделана, у самого не возникало желания забить?***

- Если бы такая возможность представилась, непременно ее бы использовал. Однако мне не хватило роста в том моменте, когда пытался пробить головой.

***- В составе соперника выступал недавний зенитовец Милан Вьештица. Как оцениваете его игру?***

- Я редко против него играл. Только в эпизодах. Так что сказать что-то определенное не могу.

***- Настроение улучшилось после такой победы?***

- Конечно, подобные матчи придают уверенности.

***Вадим ФЕДОТОВ, из Ростова.***

ПОСЛЕ МАТЧА

# Александр АНЮКОВ: ВСЕ СДЕЛАЛ АРШАВИН

**После того как защитник «Зенита» забил третий мяч в ворота «Ростова», последние сомнения относительно победы питерцев отпали сами собой. Однако сам автор гола в беседе с корреспондентом «Спорт уик-энда» предпочел особо не рассуждать об этом.**

***- Какие чувства вы испытали после забитого гола?***

- В основном все сделал Андрей *(Аршавин. - **В. Ф.**)*. Мне оставалось лишь забивать.

***- Последний раз помните, когда забивали?***

- «Крыльям» в прошлом году.

***- Какое значение придаете забитым мячам?***

- Главное, чтобы победила команда. Это придает больше уверенности и положительных эмоций.

***- Создалось впечатление, что «Зенит» выиграл «на классе». Вы согласны с этим?***

- В принципе, в первом тайме была равная игра. Когда мы забили два гола, то позволили себе расслабиться.

***- Как вам соперник?***

- «Ростов» очень хорошая команда, тем более она играла дома. В ее составе есть очень техничные футболисты. Она имеет хорошего тренера.

***- Вам известно, что в Ростове День города?***

- Могу в связи с этим поздравить местных жителей.

***- Что, если не секрет, произошло между Радимовым и Риксеном?***

- Я считаю, ничего особенного. Сначала они друг другу что-то подсказывали, затем - не поняли друг друга. А в раздевалке обменялись рукопожатиями. Эмоции в футболе - вполне нормальное явление.

# Александр ПАНОВ: ЕСЛИ ПРИБЛИЖАЮСЬ К ВОРОТАМ - ЗНАЧИТ, ЭТО УЖЕ ХОРОШО

***- После выхода на поле у вас тут же возник голевой момент. Сильно хотелось забить?***

- Мне кажется, вратарь допустил ошибку, когда остался на месте, а я пробил, можно сказать, на удачу. Но, увы, мне не повезло.

***- Не обидно?***

- Я не отчаиваюсь. Коль скоро я приближаюсь к воротам - значит, это хороший знак для меня.

***- Как смотрелась игра со стороны до выхода на замену?***

- Мне кажется, матч прошел спокойно. «Ростов» был не в ударе и даже не агрессивен. Поэтому мы выиграли достаточно легко.

# Милан ВЬЕШТИЦА: В «ЗЕНИТЕ» ВСЕГДА БЫЛИ ХОРОШИЕ ИСПОЛНИТЕЛИ

**Три с половиной года провел Милан ВЬЕШТИЦА в составе «Зенита». Во вчерашнем матче ему впервые пришлось выйти на поле против своей бывшей команды.**

***- Был ли у вас какой-то особый настрой на эту игру?***

- Нет, настраиваться нужно на каждый матч одинаково. Просто сегодня сложилось так, что впервые за три с половиной года я играл против «Зенита».

***- За счет чего «Зениту» удалось победить?***

- В принципе, в первом тайме при счете 0:1 у нас были хорошие моменты. Используй мы их, игра пошла бы по-другому. Но не получилась. Во втором тайме все происходило иначе.

***- Кого могли бы отметить в составе питерцев?***

- «Зенит» всегда отличался тем, что был командой. Кого бы мы при этом ни обыгрывали.

***- Насколько изменилась команда по сравнению с тем временем, когда вы ее покинули?***

- В «Зените» всегда были хорошие исполнители, и он каждый год борется за призовые места.

***- Стало ли для вас неожиданным выставление на трансфер в «Зените»?***

- В принципе, я не ожидал, что подобное может случиться. Но в то же время считаю, что в футболе это - нормальное явление.

***- Помышляете вернуться в «Зенит»? Насколько, на ваш взгляд, это реально?***

- В принципе, у меня еще есть действующий контракт с «Зенитом», но говорить на эту тему правильнее будет тогда, когда закончится срок моей аренды с «Ростовом». Сейчас все мои мысли связаны с нынешним клубом.

***- После матча вы общались с Ивицой Крижанацом. Если не секрет, на какую тему?***

- Он мой друг. Так что поговорить было о чем.

***- Как обосновались в «Ростове»?***

- Нормально. Клуб мне снимает квартиру.

***- Отличия ощутили по сравнению с Питером?***

- Конечно. Достаточно того, что это другой город.

***Вадим ФЕДОТОВ, из Ростова.***

18-й ТУР

# ПАЦИЕНТ ПОГИБ ВНЕЗАПНО

## «Бело-голубые» разгромлены за десять минут

**«САТУРН» - «ДИНАМО» - 3:0 (0:0)**

**Голы:** Чеснаускис, 55 (1:0); Лебеденко, 57 (2:0); Еременко, 65 (3:0).

**«Сатурн»:** Кински, Петраш, Петкович, Половинчук, Дюрица, Яшин, Игонин, Чеснаускис (Шилла, 86), Еременко, Гьян (Барейро, 72), Лебеденко (Вукчевич, 75).

**«Динамо»:** Карчемарскас, Жан, Точилин (Д. Комбаров, 25), Фернандес, Колодин, Хохлов, Семшов, Ромащенко, Данни, Сисеру (Пошкус, 55), Дерлей.

**Предупреждения:** Дерлей, 55; Колодин, 59; Ромащенко, 66; Фернандес, 71; Данни, 85.

**Удаление:** Данни, 85 (недисциплинированное поведение).

**Судья:** Гвардис (Калининград).

*10 сентября. Раменское. Стадион «Сатурн». 10 500 зрителей.*

**Дублеры** – 1:1.

В нынешнем сезоне «Сатурн» и «Динамо» проводили между собой уже четвертую официальную встречу. Баланс трех предыдущих складывался не в пользу москвичей, ведь фактически именно с крупного кубкового поражения от «Сатурна» началось провальное для «Динамо» выступление под руководством Юрия Семина.

Сейчас у «бело-голубых» и тренер другой, да и многие футболисты покинули клуб, причем некоторые оказались в стане нынешнего соперника «Динамо». И если Дмитрий Половинчук переехал в Раменское еще перед началом сезона, то Сергей Яшин и Баффур Гьян пополнили ряды «черно-синих» уже в период летних дозаявок.

Распалась и незаменимая, казалось бы, пара подмосковных защитников. Жан Нарде совершил вояж в обратном направлении и выступает теперь за «Динамо», а второй - Жедер сыграл накануне свой дебютный матч за московский «Спартак». Впрочем, потеря последнего могла оказаться и не такой ощутимой, поскольку на замену ему был приобретен молодой защитник сборной Ганы Иллиасу Алхасан по прозвищу Шилла, неплохо проявивший себя на минувшем мировом первенстве.

Выпустить африканца Шиллу с первых минут Владимир Вайсс не рискнул. В игру вступил обычный состав «Сатурна», разве что без Жедера. По ходу первого тайма стало ясно, что это игра до первого гола. До перерыва команды играли, как на качелях, и даже можно сказать, что доминировало «Динамо». Хотя, учитывая квалификацию раменского вратаря Кински, пропустившего на данный момент всего тринадцать мячей, что является лучшим показателем в премьер-лиге, забить гол подмосковной команде даже таким мастером, как Дерлей, представлялось задачей, по крайней мере, трудновыполнимой.

Во втором тайме все изменилось, «Сатурн» воспрял духом. Сначала Эдгарас Чеснаускис после подачи Еременко и удара головой Гьяна добил мяч в ворота Карчемарскаса. Через несколько минут Лебеденко после подачи того же Гьяна прекрасным ударом головой удвоил результат. А завершил разгром некогда грозного клуба Алексей Еременко – человек всего лишь полгода назад говоривший по-русски с акцентом, а теперь, вернувшись на родину и получив капитанскую повязку «Сатурна», ставший любимцем подмосковных болельщиков.

Динамовцам, очень даже неплохо действовавшим в первом тайме, оставалось лишь досадовать на такой жестокий для них поворот игры. Больше других досады накопил Данни, решивший разрядиться плевком в сторону арбитра Гвардиса. Разрядился, но тотчас был изгнан с поля.

***Алексей СМИРНОВ, Раменское.***

Фото Александра СТУПНИКОВА.

*Сатурновец Гьян заставил понервничать бывших одноклубников.*

ПОСЛЕ МАТЧА

**Андрей КОБЕЛЕВ, главный тренер «Динамо»:** - Сегодня получилось два разных тайма. В первом мы владели инициативой, но стартовые десять минут второй половины встречи выбили нас из колеи. Фактически игра была решена. Могли забить и мы, и «Сатурн», но повезло больше хозяевам поля.

Ранняя замена Точилина была вызвана тем, что у Александра травма, завтра он поедет на обследование, и все будет окончательно известно.

**Владимир ВАЙСС, главный тренер «Сатурна»:** - На установке перед игрой я сказал ребятам, что сегодня у нас будет последний шанс подняться в турнирной таблице и побороться за призовые места. Я очень доволен результатом. «Динамо» очень здорово подготовилось к матчу, и игра шла до первого забитого мяча. Сегодня был хороший футбол европейского уровня. Я считаю, что российский чемпионат становится все лучше и лучше.

Я хотел представить сегодня нашим болельщикам новобранца Шилла Иллиасу. Этот футболист умеет играть в футбол. Но ему еще нужно приспособиться к сложным российским условиям. Думаю, у него все получится.

***Евгений СИНИЧКИН, Раменское.***

ФУТБОЛ. ЧЕМПИОНАТ РОССИИ. ПРЕМЬЕР-ЛИГА. 18-й ТУР

# БЕЛОРУССКИЙ «МАВР» СДЕЛАЛ СВОЕ ДЕЛО

**«ТОМЬ» - «ШИННИК» - 3:1 (2:0)**

**Голы:** Вейич, 27 (1:0); Кульчий, 29 - с пенальти (2:0); Леилтон, 53 - с пенальти (2:1); Младенов, 90+3 (3:1).

**«Томь»:** Парейко, Бугаев, Вейич, Катынсус, Прошин, Янотовский (Шишкин, 52), Скобляков, Кульчий, Климов, Крунич, Киселев (Младенов, 80).

**«Шинник»:** Близнюк, Костич, Амисулашвили, Мамаев (Ширко, 56), Горак, Омельянчук, Хазов, Радосавлевич, Леилтон, Шпаков (Явруян, 78), Ментешашвили (Матич, 81).

**Предупреждения:** Хазов, 16; Горак, 29; Мамаев, 53; Костич, 54; Шишкин, 80; Ширко, 90+1; Парейко, 90+2.

**Судья:** Фурса (Санкт-Петербург).

10 сентября. Томск. Стадион «Труд». 12 000 зрителей.

**Дублеры - 3:2.**

За три предыдущих поединка «Томи» и «Шинника» в премьер-лиге был забит… один гол. На старте нынешнего сезона это сумел сделать игрок «Томи» Александр Младенов. Остальные встречи проходили в боевой бескомпромиссной борьбе и закончились с «сухим» счетом 0:0. Не менее напряженным ожидался и нынешний поединок: ярославцам очки нужны больше воздуха, а «Томь» очень хочет вернуться в группу, борющуюся за «зону УЕФА».

Несмотря на то, что томичи перед матчем из-за травм и дисквалификаций потеряли половину основного состава и главную ударную силу - форварда сборной России Павла Погребняка, хозяева в первом тайме быстро захватили инициативу. Особенно старался вышедший после травмы Денис Киселев. Уже на 7-й минуте он должен был открыть счет, но после отличного прострела Скоблякова не попал в ворота с пяти метров. Выход Киселева один на один снял боковой арбитр, зафиксировавший офсайд. «Шинник» тоже огрызался контратаками, но они были не столь остры. Когда игра перешла в более спокойное русло, на передний план выступил такой опытный футбольный боец, как Александр Кульчий. Для него этот матч после конфликта с Долматовым и ухода из «Шинника» был даже важнее, чем недавний матч сборной Белоруссии с голландцами. И белорусский «мавр» сделал свое дело. Сначала он мастерски набросил мяч со штрафного на Хрвое Вейича, и защитник сборной Хорватии в несложной борьбе с бразильцем Леилтоном забил гол в ближний угол. А потом соло исполнил уже сам Кульчий. В штрафной гостей он обыграл защитника, вышел один на один с голкипером и был сбит в последнюю секунду Радосавлевичем.

В томской команде есть штатные пенальтисты, но тут мяч решительно взял в руки пострадавший и, обманув голкипера, хладнокровно расплатился с бывшим тренером вторым голом. Еще минут пять гости были в состоянии грогги, и лишь затем «Шинник» более-менее проснулся, обозлился и организовал несколько опасных атак. Штрафные гостям особых дивидендов не принесли, но под занавес тайма ярославцы едва не отыграли один мяч. Однако арбитр Фурса остановил замахнувшегося для удара по пустым воротам Горака, потому что перед этим Ментешашвили заехал локтем в лицо защитнику томичей Катынсусу.

После перерыва «Шинник» рванул с места в карьер, а вот оборона хозяев, похоже, уверовала, что разницу в два мяча в гостях не отыграть. Но 53-я минута встречи поставила эту гипотезу под большое сомнение. В борьбе с Вейичем Антон Хазов упал в штрафной «Томи», и Фурса второй раз за матч указал на «точку». Леилтон был столь же четок в ударе, как и Кульчий. И с этой минуты хозяевам пришлось прикладывать массу усилий, чтобы сдерживать порыв «Шинника». Олег Долматов выпустил на поле двух свежих форвардов Ширко и Явруяна, но оборона томичей действовала практически без ошибок. Не помог и финальный штурм с участием прибежавшего в чужую штрафную голкипера «Шинника» Близнюка. В то же время свежие томские силы - Шишкин и Младенов - сумели создать остроту у ворот гостей. Шишкин в красивом прыжке послал мяч над «девяткой», а Младенов на третьей добавленной минуте в окружении трех защитников все-таки пробил оборону ярославцев, протолкнув мяч в дальний угол.

Так драматично завершился матч, в котором «Шинник» сделал еще один шаг к дню прощания с премьер-лигой, а «Томь», заслужив трудную победу, вклинилась в группу преследователей тройки лидеров. Гости подали протест на судейство Фурсы по двум эпизодам, но вряд ли эта соломинка вытянет команду со дна турнирной таблицы.

## ПОСЛЕ МАТЧА

**Олег ДОЛМАТОВ, главный тренер «Шинника»:**

- Комментариев по поводу матча у меня нет, поэтому давайте сразу вопросы.

***- Почему «Шиннику» в первом тайме не удалось навязать «Томи» свою игру?***

- А почему мы должны были навязывать игру? Очки всем нужны, не только нам. Мы хотели сегодня выглядеть достойно, ребята стараются, но такие голы пропускать нельзя. Это - если касаться только футбольной темы. Все старались, играли. Пожалуй, больше я ничего не скажу, поскольку подобные разговоры грозят штрафами.

**Валерий ПЕТРАКОВ, главный тренер «Томи»:**

- Я доволен сегодняшним матчем и тем, что мы победили. Я предупреждал ребят, что игра будет тяжелой. Мы понимали: то, в какой ситуации оказалась команда «Шинник» - и руководство, и игроки будут делать все возможное, чтобы выбраться из опасной зоны. В сегодняшней игре нужно было не уступить в самоотдаче, я не думаю, что мы могли уступить «Шиннику» в чем-то другом. Я доволен тем, что ребята настроились на игру и хорошо ее провели. Такие матчи не бывают простыми. Иногда легче играть с лидером, чем с командой, попавшей в такое положение. Нам нельзя было проигрывать, и я рад, что мы набрали три очка и продолжаем претендовать на высокое место в чемпионате.

***- Как вы думаете, удачный вход в игру и забитый мяч воодушевит Младенова и он заиграет так, как играл в начале чемпионата?***

- Думаю, да. У нас есть конкуренция на флангах: Климов - Новакович и Скобляков - Младенов. Но когда идет у Сергея Скоблякова игра, зачем передергивать и придумывать что-то новое? Поэтому я считаю, что Саша все понимает. Он знает, что придет час, когда он выйдет и будет помогать команде.

***- Валерий Юрьевич, сегодня Хомутовский пропускал игру. Вы сейчас уже знаете, кто будет играть в воротах против ЦСКА?***

- Был у нас разговор и с Парейко, и с Хомутовским. Мне бы хотелось, чтобы они выбрали какой-то игровой период, как было у нас раньше с Жидковым и Суровцевым. Тогда они играли по два матча. Не важно, хорошо он сыграл или плохо, но он знает, что следующий матч его, и он будет готовиться к нему и настраиваться на него. Я предложил им такой вариант, и все будет зависеть от того, как они решат сами - играть по две игры или по одной. И Василий, и Сергей - вратари равноценные, и оба нужны команде.

***Сергей СИМОНОВ, Томск.***

# ТРАОРЕ «СПАРТАКУ» НА ГОРЕ

## «Возмутитель спокойствия» терпит четвертое поражение кряду

**«СПАРТАК» Нч - «ЛОКОМОТИВ» - 0:1 (0:1)**

**Гол:** Траоре, 12.

**«Спартак» Нч:** Чихрадзе, Битоков (Юрич, 81), Джефтон, Джудович, Скворцов, Мичков, Гогуа, Ланько (Геперидзе, 76), Кудаев, Сердюков, Корчагин (Гвазава, 70).

**«Локомотив»:** Поляков, Иванович, Асатиани, Пашинин (Сенников, 78), Фининьо, Спахич, Лоськов, Гуренко, Билялетдинов (Зияти, 72), Траоре (О'Коннор, 66), Сычев.

**Судья:** Егоров (Нижний Новгород).

10 сентября. Нальчик. Стадион «Спартак». 14 600 зрителей.

**Дублеры - 1:0.**

Болельщики нальчикского «Спартака» до сих пор смакуют подробности победы их любимцев над «Локомотивом» на московском стадионе в Черкизове.

В том драматичном поединке нальчане одержали верх со счетом 3:2 благодаря двум голам Пилипчука. Но тогда «Локомотив» представлял собой, скорее, глину, из которой лепят какое-либо произведение искусства, нежели готовую скульптуру. Новый «машинист» Славо Муслин только осваивал прелести российского футбола, а посему у спартаковцев был шанс. И они им воспользовались.

Ныне же в Нальчик приехала команда. Да, да, команда, а не 11 разноплановых и разноязыких игроков, не умеющих понять друг друга. «Локомотив набрал ход и в трех последних матчах (причем два из них были выездными) набрал девять очков. «Спартак» же, наоборот, три последние игры проиграл. Не обошлось и без кадровых потерь. Принадлежащие «Локомотиву» Концедалов и Порошин не могли играть по условиям аренды (впрочем, последний был еще и дисквалифицирован), не было черкизовского героя Пилипчука и капитана нальчан - столпа обороны Мостового.

Первым потревожил голкипера гостей Полякова реактивный Гогуа, исполнивший на 9-й минуте штрафной удар. Мяч попал прямо в руки стражу ворот железнодорожников. А через пару минут гости открыли счет. Капитан «Локо» Лоськов навесил со штрафного на голову малийцу Траоре, и тот, опередив защитников «Спартака», пробил точно в угол - 0:1.

Хозяева поля приступили к осаде ворот соперника, но оборона гостей особых сбоев не давала, хотя моменты у нальчан были. На 27-й минуте надевший в отсутствие Мостового капитанскую повязку опытнейший Кудаев едва не застал врасплох Полякова дальним ударом. Вратарю удалось кончиками пальцев перевести мяч на угловой. Скворцов навесил с этого углового на голову Джудовичу, и лишь неточность серба спасла железнодорожников от неприятностей. «Локо» ответил через пару минут рандеву Сычева с Чихрадзе. К счастью, форвард сборной России промахнулся. На 37-й минуте Иванович не использовал передачу своего капитана, исполнившего угловой удар. А через пару минут уже спартаковец Ланько «простил» гостей, не попав в пустые ворота.

После перерыва железнодорожники решили сыграть по счету, не пытаясь обострять игру. Слишком свежи в памяти перипетии черкизовской баталии. Что касается нальчан, то им терять было нечего, и весь второй тайм они играли агрессивно. Однако все, что удалось «красно-белым» - удар Корчагина головой на 47-й минуте, ставший легкой добычей Полякова, да могучий «выстрел» Ланько на 64-й минуте - гостей спасла штанга.

Вплоть до финального свистка спартаковцы искали счастья у чужих ворот, но железобетонную оборону гостей им пробить так и не удалось.

После четвертого кряду поражения спартаковцам предстоит вояж в Казань, где 17 сентября их ждет местный «Рубин». Дружина Бердыева крайне редко теряет очки на своем поле, но нальчанам отступать уже некуда. Это будет славная охота.

## ПОСЛЕ МАТЧА

**Славолюб МУСЛИН, главный тренер «Локомотива»:**

- Мы приехали сюда взять реванш за поражение в Черкизове. Вокруг поля была хорошая атмосфера, а само поле, к сожалению, не очень хорошее. Мы быстро открыли счет, играли агрессивно, как и договаривались с игроками. Контролировали игру и могли забить еще дважды в первом тайме. Во второй половине игры закрыли все подступы к своим воротам и, к счастью, смогли удержать победный счет. Могу сказать, что взяли три очень важных очка. Хочу поблагодарить свою коллегу, поздравить соперника с хорошей игрой, а болельщикам спасибо за поддержку.

**Юрий КРАСНОЖАН, главный тренер «Спартака» Нч:**

- Мы сыграли два совершенно разных тайма. Начало игры провели бездарно, а во второй половине прибавили в движении, но не реализовали те редкие моменты, которые имели. Хочу отметить отличную игру «Локомотива» в первом тайме, а после перерыва гости играли уже по счету.

***Альберт ДЫШЕКОВ, Нальчик.***

НАЦИОНАЛЬНЫЕ ЧЕМПИОНАТЫ

# АНХЕЛЬ АЛОНСО НАШЕЛ ПРОТИВОЯДИЕ ПРОТИВ КИЕВСКОГО «ДИНАМО»

**В субботу** *(см. предыдущий номер)* **киевские динамовцы сыграли вничью в Донецке с тамошним «Металлургом», после чего уступили первую строку в турнирной таблице «Шахтеру».**

**Анатолий ДЕМЬЯНЕНКО, главный тренер «Динамо»**, причины ничьей со счетом 1:1 объяснил так:

- Тяжело играть, когда много игроков задействовано в играх за сборную. За два дня сбалансировать игроков психологически и физически очень сложно. Первый тайм у нас не получился. Мы играли неважно. Во втором имели преимущество. Было много моментов, которые не реализовали.

***- Вы не экономили силы для игры в среду в Лиге чемпионов?***

- Нет, мы не экономили силы. Возможно, где-то на подсознательном уровне у ребят и была мысль об игре в среду.

Зато **Анхель АЛОНСО, главный тренер «Металлурга»**, заявил, что знает секрет противодействия киевлянам.

***- По каким встречам вы изучали игру «Динамо» перед матчем?***

- По всем. Это пять матчей чемпионата Украины и два матча Лиги чемпионов против «Фенербахче».

***- Какие нюансы в игре «Динамо» вы заметили, за счет которых можно обыграть эту команду?***

- Изначально «Динамо» - это команда, которая в контратаке гораздо опаснее, чем в атаке. Это команда, которая если защищается, то делает это всей командой, даже Шацких. Это физически очень сильная команда. Мы хотели застать их врасплох быстрыми контратаками, используя то, что их крайние игроки всегда подключаются к атакам. Я думаю, что нам это удалось, так как у нас были моменты даже во втором тайме, когда мы отошли довольно глубоко.

**УКРАИНА. 6-й тур**

**«Арсенал» - «Кривбасс» - 1:1**

Голы: Гигадзе, 45 (0:1); Закарлюка, 58 (1:1).

**«Таврия» - «Харьков» - 2:0**

Голы: Ковпак, 28 - пенальти (1:0); Гоменюк, 77 (2:0).

**«Днепр» - «Сталь» - 0:0**

**«Ильичевец» - «Карпаты» - 1:2**

Голы: Батишта, 12 (0:1); Батишта, 43 (0:2); Шмаков, 73 - в свои ворота (1:2).

**«Металлист» - «Черноморец» - 4:0**

Голы: Фомин, 16 (1:0); Рыкун, 40 - пенальти (2:0); Ганчарчик, 44 (3:0); Рыкун, 90 (4:0).

| | И | В | Н | П | М | О |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. «Шахтер» | 6 | 5 | 1 | 0 | 16-1 | 16 |
| 2. «Динамо» К | 6 | 5 | 1 | 0 | 17-4 | 16 |
| 3. «Арсенал» | 6 | 3 | 3 | 0 | 8-4 | 12 |
| 4. «Таврия» | 6 | 3 | 2 | 1 | 5-3 | 11 |
| 5. «Днепр» | 6 | 2 | 4 | 0 | 5-2 | 10 |
| 6. «Металлист» | 6 | 3 | 1 | 2 | 8-8 | 10 |
| 7. «Карпаты» | 6 | 2 | 3 | 1 | 4-5 | 9 |
| 8. «Ильичевец» | 6 | 2 | 1 | 3 | 7-8 | 7 |
| 9. «Металлург» Д | 6 | 1 | 4 | 1 | 3-4 | 7 |
| 10. «Кривбасс» | 6 | 1 | 3 | 2 | 8-12 | 6 |
| 11. «Черноморец» | 6 | 1 | 3 | 2 | 7-12 | 6 |
| 12. «Харьков» | 6 | 1 | 2 | 3 | 6-10 | 5 |
| 13. «Ворскла» | 6 | 1 | 1 | 4 | 3-6 | 4 |
| 14. «Металлург» З | 6 | 0 | 4 | 2 | 2-8 | 4 |
| 15. «Заря» | 6 | 0 | 2 | 4 | 3-9 | 2 |
| 16. «Сталь» | 6 | 0 | 1 | 5 | 1-7 | 1 |

**Кубок ГЕРМАНИИ. 1/32 финала**

«Ален» - «Дуйсбург» - 1:2. «Карл-Цейс Йена» - «Кельн» - 1:2. «Вельберг» - «Унтерхахинг» - 0:3. «Любек» - «Мюнхен-1860» - 1:0. «Росбах» - «Боруссия» М - 1:4. «Бабельсберг» - «Ганза» - 2:1. «Бремерсхафен» - «Вольфсбург» - 1:3. «Хемницер» - «Алемания» - 0:2. «Дармштадт» - «Герта» - 0:1. «Пфулендорф» - «Арминия» - 2:1. «Саарбрюккен» - «Майнц» - 1:0.

ЛИГА ЧЕМПИОНОВ. ГРУППОВОЙ ЭТАП. 1-й ТУР. «БАВАРИЯ» - «СПАРТАК»

# *Владимир ФЕДОТОВ, главный тренер «Спартака»:*

**В воскресенье в 11:00 из аэропорта Внуково московский «Спартак» вылетел в Мюнхен, где 12 сентября, во вторник, проведет матч Лиги чемпионов с «Баварией». Перед отлетом корреспонденту «Спорт уик-энда» удалось поговорить с главным тренером «красно-белых» Владимиром ФЕДОТОВЫМ.**

***- Владимир Григорьевич, удовлетворены ничьей с ЦСКА?***

- По большому счету - да. Несмотря на то, что по ходу игры нам пришлось дважды отыгрываться, команда все-таки могла и победить. Чего стоит момент на последних минутах, когда армеец Рахимич спас команду от верного гола. Болельщики, что пришли на стадион, думаю, остались довольны. Игра была хорошая, боевая. Ну а вообще результат по игре.

***- Тем не менее традиция продолжается. «Спартак» не может переиграть ЦСКА уже пять лет подряд.***

- Что тут скажешь? Сейчас ЦСКА и «Спартак» по классу примерно одинаковые, а раньше уровень очень сильно разнился, у армейцев был лучший подбор игроков. На данный момент мы неплохо укрепились, что и доказала игра против подопечных Газзаева.

***- Владимир Григорьевич, чем продиктовано решение отправиться в Германию на следующее же утро после тяжелейшего матча?***

- Я решил не давать выходной, чтобы команда после тяжелого дерби быстрее собралась на не менее сложный матч. Лучше, если восстанавливаться будем непосредственно в Германии. Надеюсь, успеем восстановиться полностью.

***- Уже проанализировали игру «Баварии»?***

- Я лично смотрел несколько матчей с ее участием, в Германию ездил Черчесов.

***- Кстати, недавно прошел матч Аргентина - Бразилия. За сборную Аргентины играл ваш подопечный - Клементе Родригес. Как оцените его игру?***

- Очень хорошо. Свой тайм он провел блестяще и, думаю, был лучшим на поле. Отлично смотрелся в

ООО «МДП»
turnet
Лицензии: турагентская ТД N 0034210, туроператорская ТД N 0034390
Дайвинг-сафари на Красном море. Таиланд, Индия, Южная Африка
Деловой туризм и шопинг-туры
Уникальные предложения по оформлению загранпаспортов
(в т.ч. сложные, менее 5 лет регистрации)
Минимальные сроки и цены
Ул. Восстания, 6 (м. Площадь Восстания). ТК Гулливер, офис 102 (м. Старая деревня).
Тел.: 333-44-33. E-mail: mdp@turnet.ru, www.turnet.ru

ФУТБОЛ. СОПЕРНИКИ НАШИХ КОМАНД В ЕВРОКУБКАХ

# КОНКУРЕНТЫ НЕ БЛЕЩУТ

**В ближайшие вторник и среду «Спартак» и ЦСКА сыграют первые матчи в групповом турнире Лиги чемпионов. В четверг на поле в 1-м раунде Кубка УЕФА выйдут «Локомотив» и «Рубин». Ниже - о соперниках наших команд в еврокубковых турнирах.**

**ЛИГА ЧЕМПИОНОВ.**
**«Бавария» - «Спартак» М**
*12 сентября, вторник. Мюнхен. «Альянс Арена»*

Немцы уверены в том, что «Спартак» будет разбит. Последние три сезона они неизменно начинают борьбу за Кубок чемпионов с победы в стартовом матче группового турнира. В команде Феликса Магата достаточно игроков, которые помнят встречи со «Спартаком» в сезонах-2000/01 и -2001/02. Тогда мюнхенцы нанесли четыре поражения москвичам. «Красно-белые», кстати, имеют очень неудачную статистику встреч с немецкими клубами. В Германии они одержали всего одну победу более 30 лет назад.

**«СПАРТАК» В ГЕРМАНИИ**

| | |
|---|---|
| 2001/02 | «Бавария» - «Спартак» - 5:1 |
| 2000/01 | «Байер» - «Спартак» - 1:0 |
| | «Бавария» - «Спартак» - 1:0 |
| 1997/98 | «Карлсруэ» - «Спартак» - 0:0 |
| 1996/97 | «Гамбург» - «Спартак» - 3:0 |
| 1994/95 | «Бавария» - «Спартак» - 2:2 |
| 1989/90 | «Кельн» - «Спартак» - 3:1 |
| 1987/88 | «Динамо» (Дрезден) - «Спартак» - 1:0 |
| | «Вердер» - «Спартак» - 6:2 |
| 1984/85 | «Локомотив» (Лейпциг) - «Спартак» - 1:1 |
| | «Кельн» - «Спартак» - 2:0 |
| 1981/82 | «Кайзерслаутерн» - «Спартак» - 4:0 |
| 1975/76 | «Кельн» - «Спартак» - 0:1 |

Но вернемся к «Баварии». В субботу мюнхенцы провели матч 1/32 финала Кубка Германии в Гамбурге против местного «Санкт-Паули», выступающего чуть ли не в немецком первенстве клубов физкультуры. Однако игра сложилась для действующего чемпиона и обладателя Кубка очень непросто.

**«Санкт-Паули» - «Бавария» - 1:2 (доп. время).** Голы: Шульц, 31 (1:0); Подольски, 46 (1:1); Боргер, 105 - в свои ворота (1:2).

**«Бавария»:** Рензинг, Саньоль, Лусиу, ван Бюйтен, Лам, Салихамиджич (Шолль, 69), ван Боммел, Демикелис (Швайнштайгер, 46), Харгривз, Макай (Подольски, 46), Санта Крус.

Феликс Магат бросил в бой основной состав - отсутствовал только дисквалифицированный вратарь мюнхенцев Оливер Кан. И на исходе получаса игры «Бавария» пропустила гол, который, возможно, не случился, будь на месте железный Оли. Удивительно, что до перерыва гости так и не сумели создать ни одного острого момента у ворот «младшего брата».

В паузе между таймами Магат решил кардинально усилить атаку: на поле вышли игроки сборной Швайнштайгер и Подольски. Последнему потребовалось 30 секунд, чтобы сквитать счет. Лучший молодой игрок ЧМ-2006 замкнул фланговую передачу Саньоля, поразив ворота ударом в створ.

Казалось, что теперь «Санкт-Паули» костей не соберет. Но нет, основное время матча завершилось с ничейным счетом - «Бавария» атаковала, но мяч упрямо не шел в ворота, а когда шел, блестяще действовал кипер хозяев Боргер.

Овертайм начался для соперника «Спартака» хуже не придумаешь: защитник мюнхенцев Лусиу был удален с поля за удар соперника локтем. Целых 28 минут гостям предстояло играть в меньшинстве. Но, как говорится, нет худа без добра. Потеряв одного из ключевых игроков обороны, подопечные Магата постарались отодвинуть игру подальше от своих ворот. И вскоре совсем не опасный навес Лама привел к голу, влетевшему в сетку из-за несогласованности защитников и вратаря «Санкт-Паули». В результате неразберихи в штрафной голкипер фактически собственноручно забросил мяч в свои ворота. Неожиданным подарком судьбы «Бавария» воспользовалась в полной мере, установив надежный контроль над мячом во втором добавленном тайме. И спокойно довела матч до победы.

Победа далась мюнхенцам непросто, однако нет сомнений, что в матче со «Спартаком» команда Магата будет действовать с иным настроем и на других скоростях...

**Другие соперники «Спартака»**

**ИТАЛИЯ. 1-й тур**

**«Фиорентина» - «Интер» - 2:3.** Голы: Камбьяссо, 11 (0:1); Камбьяссо, 42 (0:2); Ибрагимович, 61 (0:3); Тони, 68 (1:3); Тони, 79 (2:3). **«Интер»:** Тольдо, Кордоба, Майкон, Матерацци (Самуэль, 59), Дзанетти, Камбьяссо (Гроссо, 84), Дакур, Фигу, Виейра (Станкович, 76), Креспо, Ибрагимович.

**ПОРТУГАЛИЯ. 2-й тур**

**«Насионал» - «Спортинг» - 0:1.** Гол: Нани, 12. **«Спортинг»:** Рикарду, Мигель Гарсия, Тонец, Полья, Ронни, Мигель Велосо, Жоао Мутинью (Жоао Алвеш, 89), Романьоли (Тельо, 62), Нани, Буэно (Алессандро, 70), Лиедсон.

«Спортинг» одержал вторую победу в двух матчах.

**ЛИГА ЧЕМПИОНОВ.**
**«Порту» - ЦСКА**
*13 сентября, среда. Порту. «Драгау»*

**ПОРТУГАЛИЯ. 2-й тур**

**«Эштрела Амадору» - «Порту» - 0:3.** Голы: Дуарте, 55 - в свои ворота (0:1); Мейрелеш, 82 (0:2); Лучо Гонсалес, 88 (0:3).

**Другие соперники ЦСКА**

**КУБОК ГЕРМАНИИ. 1/32 финала**

**«Штутгарт Киккерс» - «Гамбург» - 4:3 (доп. время).** Голы: Йылдиз, 15 (1:0); Окпала, 6 (2:0); Саного, 28 (2:1); Любойя, 37 (2:2); Демель, 44 (2:3); Йылдиз, 90 (3:3); Окпала, 96 - пенальти (4:3).

В этом сезоне «Гамбург» не одержал ни одной победы.

**АНГЛИЯ. 4-й тур**

**«Арсенал» - «Мидлсбро» - 1:1**

**Голы:** Моррисон, 22 (0:1); Анри, 67 - пенальти (1:1). **«Арсенал»:** Леманн, Джуру, Эбуэ, Галлас, Туре, Силва (Росицки, 69), Фабрегас, Глеб, Юнгберг (Баптиста, 69), ван Перси (Адебайор, 69), Анри.

В трех матчах «Арсенал» не одержал ни одной победы.

**КУБОК УЕФА**
**«Локомотив» - «Варегем»**
*14 сентября, четверг. Москва. «Локомотив»*

**БЕЛЬГИЯ. 5-й тур**

**«Варегем» - «Серкль Брюгге» - 1:2.** Голы: Пивальвич, 19 (0:1); Серген, 50 (1:1); Де Смет, 89 (1:2).

Соперник «Локомотива», выигравший весной Кубок Бельгии, проиграл на своем поле команде, которая до этого не одержала ни одной победы. Матч прошел с полным преимуществом гостей. «Варегем» потерпел третье поражение при разнице мячей 2:9.

**КУБОК УЕФА**
**«Рубин» - «Парма»**
*14 сентября, четверг, Казань. «Центральный»*

**ИТАЛИЯ. 1-й тур**

**«Торино» - «Парма» - 1:1.** Голы: Будан, 55 (0:1); Стеллоне, 72 (1:1).

ХОККЕЙ. СУПЕРЛИГА. ЧЕМПИОНАТ РОССИИ

# ЮРЗИНОВ ТЕРПИТ ВТОРОЕ ПОРАЖЕНИЕ

Ярославский «Локомотив» потерпел второе поражение в чемпионате России. После «Авангарда» подопечных Владимира Юрзинова обыграл подмосковный «Химик». Причем, как и в матче первого круга, железнодорожники были дожаты в третьем периоде, когда в ворота хозяев влетели две шайбы. Героем поединка стал форвард мытищенцев Альберт Лещев, забивший две шайбы и сделавший голевую передачу в этом матче.

**ПОЛОЖЕНИЕ НА 11 СЕНТЯБРЯ**

| | И | В | ВО | Н | ПО | П | Ш | О |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. «Нефтехимик» | 2 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 8-0 | 6 |
| 2. «Ак Барс» | 2 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 8-4 | 5 |
| 3. ХК МВД | 2 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 4-2 | 5 |
| 4. «Металлург» Мг | 2 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 7-4 | 4 |
| 5. СКА | 2 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 5-2 | 4 |
| 6. «Салават Юлаев» | 2 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4-3 | 4 |
| 7. «Витязь» | 2 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 3-2 | 4 |
| 8. «Химик» | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 4-1 | 3 |
| 9. «Авангард» | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 3-1 | 3 |
| 10. «Сибирь» | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4-4 | 3 |
| 11. «Лада» | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4-4 | 3 |
| 12. «Северсталь» | 2 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4-5 | 3 |
| 13. «Металлург» Нк | 2 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 3-3 | 2 |
| 14. ЦСКА | 2 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 4-5 | 1 |
| 15. «Амур» | 2 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 2-8 | 1 |
| 16. «Динамо» | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 3-6 | 0 |
| 17. «Локомотив» | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2-7 | 0 |
| 18. «Трактор» | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0-5 | 0 |
| 19. «Крылья Советов» | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 2-8 | 0 |

**БОМБАРДИРЫ. СУПЕРЛИГА**

| | Г | П | О |
|---|---|---|---|
| 1. Алексей Морозов *(«Ак Барс»)* | 2 | 1 | 3 |
| 2. Альберт Лещев *(«Химик», МО)* | 2 | 1 | 3 |
| 3. Сергей Зиновьев *(«Ак Барс»)* | 1 | 2 | 3 |
| 4. Алексей Чупин *(ХК МВД)* | 1 | 2 | 3 |

Таким образом, «Локомотив», как и «Динамо», опустился на дно турнирной таблицы и стал одним из главных неудачников стартовых поединков сезона.

Оно и неудивительно. В межсезонье команду покинули лидеры, а пришедшие им на смену хоккеисты еще не успели вписаться в игровую схему Владимира Юрзинова. К тому же, как говорит мэтр российского тренерского цеха, некоторым из них, в частности энхаэловцам, недостает элементарной физической готовности, для обретения которой нужно время.

Понятное дело, что два поражения на старте - это еще не трагедия. Но звонок, согласитесь, тревожный. Давно уже один из лидеров нашего хоккея не начинал чемпионат так плохо. Тем более в родных стенах. По всей видимости, впереди Юрзинова ожидают серьезные трудности.

Если же говорить о «Химике» (МО), то здесь наблюдается обратная картина. В межсезонье команда Петра Воробьева получила значительное усиление состава. И в нынешнем чемпионате рассматривается в качестве одного из потенциальных лидеров суперлиги. Подтверждением чему и служит ее победа в стартовом поединке.

***10 сентября. 2-й тур.*** *«Локомотив» - «Химик» МО - 1:4.*

ПРЕДСТАВЛЯЕМ СОПЕРНИКОВ СКА

# АРМЕЙЦЕВ ЖДЕТ ВСТРЕЧА С ПРОШЛОГОДНИМИ ОБИДЧИКАМИ

На предстоящей неделе питерских армейцев ожидает дебют в родных стенах. Соперниками нашей команды станут неудобные для СКА клубы - подмосковный «Витязь» (12 сентября) и московский ЦСКА (14 сентября). Достаточно сказать, что в прошлом сезоне СКА не набрал ни одного очка в поединках с ними. В нынешнем чемпионате, правда, они стартовали по-разному. Чеховцы в двух матчах набрали 4 очка. Армейцы - одно. Причем принимали на своем льду они далеко не самые сильные российские клубы - «Сибирь» и «Металлург» Нк. И по большому счету, в игре с сибиряками выглядели не слишком убедительно. Особенно это касается ЦСКА, который сумел вырвать ничью только в матче с «Кузней». Но главный тренер московских армейцев оказался доволен и таким результатом.

*Фото В. ИВАНОВА.*

***Во вторник дружину Бориса Михайлова ожидает дебют в родных стенах.***

Впрочем, армейцам питерским не стоит обольщаться по этому поводу. Во-первых, на дворе середина сентября - старт чемпионата, когда все команды демонстрируют примерно равную игру. В таких условиях судьбу практически любого матча могут решить высококлассные исполнители. В «Витязе», с которым СКА предстоит сразиться во вторник, их предостаточно. Прежде всего это лидер чеховской атаки Александр Королюк, который в каких-то дополнительных рекомендациях не нуждается. В прошлом сезоне он практически в одиночку тащил подмосковный клуб в плей-офф. Кроме него в межсезонье команда пополнилась такими игроками, как бывший динамовский защитник Андрей Скопинцев и Борис Миронов. Последний перешел в «Витязь» из «Рейнджерс». Еще одним энхаэловцем, которым прирос чеховский клуб, стал форвард Федор Шишканов, прошлый сезон выступавший за «Сент-Луис». Сюда же можно добавить и неувядающего Александра Савченкова. Но самым главным приобретением «Витязя» стал его главный тренер 46-летний канадец Майк Крушельницки, кстати, четырехкратный обладатель Кубка Стэнли. Трижды он завоевывал этот трофей в ранге игрока и один раз в качестве тренера.

Так что нынешний «Витязь» - это, однозначно, не чета прошлогоднему. Подтверждением чему и является удачный старт команды в чемпионате.

С ЦСКА, повторяем, другая ситуация. Но не стоит забывать, что этой командой руководит главный тренер сборной России Вячеслав Быков, который, как правило, никого не выделяет в составе и никого публично не ругает. Главное для него коллектив. В том, что он в ЦСКА есть, сомневаться не приходится. Хотя команда и потеряла в межсезонье ряд ведущих игроков, но ушли из армейского клуба они без каких бы то ни было скандалов. Более того, Вячеслав Быков пожелал каждому из них на прощание удачи. Все это, конечно, из области психологии, но если взглянуть на состав армейцев, то в нем и сегодня можно отыскать немало весьма талантливых по российским меркам игроков. Это и защитник Мартин Штрбак, и приличная линия атаки в составе Вадима Епанчинцева, Алексея Симакова, Александра Никулина, Эдуарда Кудерметова и Юрия Добрышкина. Но определяющим в игре ЦСКА все равно остается коллектив. А он рано или поздно даст о себе знать. Поэтому относительно неудачному старту ЦСКА тоже не стоит обольщаться. Хотя та же вратарская проблема в данный момент у московских армейцев налицо, поскольку молодые голкиперы Иван Касутин и Никита Беспалов, конечно же, пока не могут заменить выбывшего из строя Петериса Скудру.

Словом, если СКА в матче с «Витязем» и ЦСКА удастся набрать столько же очков, сколько питерцы привезли с Урала, то это можно будет считать хорошим результатом. Пора брать реванш за прошлогодние поражения.

**В Петербурге Суперхоккей!**

**12 сентября, во вторник,** в Ледовом дворце большой хоккей! Первый матч чемпионата России в нашем городе!
**СКА (Санкт-Петербург) - «Витязь» (Чехов).**
Начало в **19.00.**

**14 сентября, в четверг,** в Ледовом дворце большой хоккей! Матч чемпионата России
**СКА (Санкт-Петербург) - ЦСКА (Москва).**
Начало в **19.00.**

*Покупайте билеты во Дворце спорта и городских театральных кассах.*
***Покажем всем, как «болеют» в Питере!***

# НА «БАВАРИЮ» СИЛ ХВАТИТ

подыгрыше, создавал опасные моменты.

***- А счет по игре?***

- Нет! Вот тут уж я совсем не согласен. Сборная Аргентины не заслуживала такого удара, хоть бразильцы были как индивидуально, так и командно сильнее.

***- Что скажете об игре легионеров из ЦСКА в сборной Бразилии?***

- А что тут сказать? Можно только восхищаться, сыграли ребята великолепно. Карвалью все делал здорово, и полностью заменил Роналдинью. Единственное, что такая хорошая форма бразильца стала для меня лишней проблемой, ведь в ЦСКА Карвалью играет не хуже, чем в сборной.

***- Что же, в сборной Аргентины есть один делегат «Спартака». А будет ли второй?***

- Вы намекаете на Кавенаги? Для того чтобы пробиться в такую сборную, ему требуется стабильно играть в чемпионате России и еврокубках. Тогда шанс у него точно будет.

***- А что скажете о сборной России? Все-таки болельщики ждали большего, чем ничья с хорватами.***

- Жаль, что не удалось победить. Но всему есть свои объяснения, хотя бы газон на стадионе какой был! Как на таком поле можно показать быстрый комбинационный футбол? Не стоит критиковать Хиддинка, человек только-только начал работать со сборной, у него есть и должны быть трудности - это естественно.

***Сергей ВАХРОМЕЕВ.***

«ЛИГА ЧАЙНИКОВ» ПО «SOCCER 7». ИТОГИ

# ЭТОТ НЕПРЕДСКАЗУЕМЫЙ ПЛЕЙ-ОФФ

Как мы уже сообщали, победителем «Лиги чайников» по SOCCER 7 стала команда PVG, со счетом 2:0 одолевшая в финале «Кальматрон». Третье место досталось «Спорт уик-энду», победившему в матче за «бронзу» связистов из «МегаФона». При этом, наверное, главной неожиданностью розыгрыша первой «Лиги чайников» по SOCCER 7 стал успех тех команд, которых после групповых этапов не причисляли к фаворитам. В частности, группа «А», где играли PVG, «Спорт уик-энд» и «МегаФон» вообще считалась более слабой, по сравнению с группой «В». Однако в играх плей-офф именно эти команды пробились в полуфинал. Из другой группы на пьедестал попал только «Кальматрон», которого также заранее объявили чемпионом после того, как из игры выбыли такие стойкие турнирные бойцы, как IBS и «Фрико». Однако в итоге и «кальматронщикам» оказался не по зубам PVG. Видимо, тем и хороша формула розыгрыша «Лиги чайников», что в ней невозможно угадать, кто же в итоге станет чемпионом.

Пользуясь случаем, хотелось бы назвать и лауреатов турнира. Так лучшим игроком «Лиги чайников» по SOCCER 7 стал Михаил Алексеев из PVG. Именно он, забив два гола «Спорт уик-энду», закрыл нашей команде дорогу в финал. Лучшим вратарем признан Павел Круглов из «МегаФона». Ну а больше всех мячей забил Владимир Степанов из IBS. Команда «МегаФон» была награждена в номинации за честную игру.

***Итоговое положение.*** *1. PVG. 2. «Кальматрон». 3. «Спорт уик-энд». 4. «Мегафон». 5. IBS. 6. ОПТИМА. 7. YIT PRO Инвест. 8. «ЭКО-Балт». 9. «Фрико». 10. КОМИТА. 11. КОМБАТ. 12. «Рудас». 13. СМАРТ-ТЕЛЕКОМ. 14. «ВидеоБлокбастер». 16. Сборная журналистов.*

БАСКЕТБОЛ. Женщины. ЧМ-2006

# ЗА ЗОЛОТОМ НА РОДИНУ ПЕЛЕ

## Женская сборная России по баскетболу настроена решительно

**Завтра в Бразилии стартует 15-й чемпионат мира по баскетболу среди женщин. В отличие от турниров с участием представителей сильного пола состязания высоких девушек не являются прибыльными. Желающие организовывать чемпионаты мира в очередь не выстраиваются, и пока даже речь не заходит о том, чтобы увеличить число участников подобных соревнований с 16-ти до 24-х, как это было сделано на последнем мужском чемпионате в Японии.**

Чаще всего женские чемпионаты мира принимала Бразилия. Нынешний турнир для родины Пеле, дона Педро и диких обезьян уже четвертый по счету. Именно в Бразилии состоялся дебют на мировых первенствах нашей женской сборной. Тренировал советскую команду в 1957 году легендарный эстонский баскетболист, а впоследствии тренер Иоанн Лысов, а капитаном сборной была ленинградская баскетболистка Нина Познанская. За поражение от американок в финале наших девушек по головкам не погладили.

Спустя два года чемпионат мира проходил в Москве и завершился триумфом хозяек. С ЧМ-59 началась советская эра в мировом женском баскетболе, продолжавшаяся два с лишним десятилетия. С появлением в составе сборной СССР уникальной по своим физическим данным центровой Ульяны Семеновой преимущество нашей команды над соперницами стало практически безоговорочным. Финальные матчи завершались с двузначной разницей в счете независимо от того, были ли соперницами сборной СССР болгарки с чешками, копировавшие нашу методику подготовки, или кореянки с японками, поражавшие специалистов процентом попаданий с дальней дистанции еще до той поры, когда за подобные броски начисляли три очка.

Единственный раз в период с 1959-го по 1982 год сборная России осталась без привычного золота: восьмое по счету мировое первенство было отдано Южной Корее. Представить, что наша команда будет играть в стране, с которой СССР не имел дипломатических отношений и политику которой осуждал на всех уровнях, было просто невозможно. До Олимпиады в Сеуле оставалось еще долгих девять лет. Добровольный отказ от участия в чемпионате мира сразу же аукнулся женской сборной.

Уже на ЧМ-83, проходившем, кстати, в Бразилии, победу в финале наша команда вырвала у американок в драматичной борьбе со счетом 84:82. Решающий мяч был заброшен в корзину соперниц с финальной сиреной. Хотя по-прежнему главной ударной силой советской сборной была Ульяна Семенова, конкурентки (в первую очередь американки) перестали трепетать перед ней. Они нашли противоядие в виде скоростной, атлетичной, мужской, если это определение применимо к представительницам прекрасного пола, игры.

Сильнейший щелчок по носу отечественный женский баскетбол получил на следующем чемпионате мира. Он проводился в Советском Союзе. Причем сразу в трех городах – Вильнюсе, Минске и Москве. Хотя к этому времени в сборной СССР началась смена поколений, и новый главный тренер новосибирец Леонид Ячменев пригласил в команду много молодых баскетболисток, все надеялись на успех в родных стенах. Однако в финале наши девчата не просто проиграли американкам, а уступили им «двадцатник» - 88:108. В составе американской сборной блистали темнокожие звезды Тереза Эдвардс и Тереза Уинтерспун, которые впоследствии и в женской НБА играли, и ... в российских клубах.

Спустя четыре года под руководством Евгения Гомельского советская команда на чемпионате мира в Малайзии выступила еще хуже. Наши девчата, в последний раз собравшиеся под красным советским флагом, уступили уже не только американкам, но и командам Чехословакии и Югославии. Кто бы мог подумать, что спустя два года практически те же самые девчата произведут настоящий фурор в Барселоне и уже под олимпийским флагом выиграют олимпийское золото!

На чемпионатах мира нашей сборной подняться на высшую ступеньку пьедестала почета не удается вот уже 23 года. На ЧМ-94, проходивший в Австралии, сборной России на предшествующем европейском первенстве отобраться не удалось. На двух следующих чемпионатах наши девчата доходили до финалов, где дважды уступали сборной США. В 1998 году в Германии со счетом 65:71, в 2002-м в Китае – 74:79.

Может быть, на нынешнем чемпионате повезет больше? Ведь российская команда сейчас составлена, с одной стороны, из молодых, предельно мотивированных на успех баскетболисток, с другой – уже приобрела необходимый опыт. Как больших побед, так и досадных поражений, без которых больших побед не бывает.

Отметим, что, как всегда в последние годы, костяк сборной составляют воспитанницы тренеров Киры и Владимира Тржескал из Василеостровской СДЮСШОР. Их в сборной России на ЧМ-2006 будет пятеро: Светлана Абросимова, Наталья Водопьянова, Елена Карпова, Илона Корстин и Мария Степанова. Готовая стартовая пятерка. Вот только представляют питерские девчата богатые клубы из Москвы, Подмосковья, Самары и Екатеринбурга. О том, что весь цвет отечественного женского баскетбола мы сможем увидеть в родном городе под флагом «Балтийской звезды», можно только помечтать.

Хотя сейчас клубные интересы отброшены не на второй даже, а на третий план. На чемпионат мира наша команда отправляется за победой. Фаворитом, естественно, считается действующий чемпион мира, но наши девчата, как они сами уверяют, не боятся американок. Играли против них и в российской Суперлиге, и в женской НБА - цену себе знают.

Кроме американок претендентом на медали считается команда Австралии, ставшая серебряным призером Олимпиады-2004. В Афинах девушки с Зеленого континента в предварительной группе обыграли россиянок, и с командой США нашим пришлось играть уже в полуфинале. Не стоит сбрасывать со счетов и бразильянок. Они играют дома, и даже состав групп сверстан «под них». Не исключено, что «выстрелить» на турнире сможет и действующий чемпион Европы – сборная Чехии.

### СОСТАВ СБОРНОЙ РОССИИ

**Защитники:** Екатерина ДЕМАГИНА («Вологда-Чеваката»), Марина КАРПУНИНА («Спартак» МО), Илона КОРСТИН (ЦСКА), Оксана РАХМАТУЛЛИНА («Динамо» М); **нападающие:** Светлана АБРОСИМОВА («Спартак» МО), Ольга АРТЕШИНА (ЦСКА), Наталья ВОДОПЬЯНОВА («Динамо» М), Елена КАРПОВА (УГМК), Татьяна ЩЕГОЛЕВА («Динамо» М); **центровые:** Екатерина ЛИСИНА (ЦСКА), Ирина ОСИПОВА («Спартак» МО), Мария СТЕПАНОВА (ЦСКА).

**Главный тренер** - Игорь ГРУДИН.

**Тренеры:** Валерий ЛУНИЧКИН, Борис СОКОЛОВСКИЙ.

### ФОРМУЛА ТУРНИРА

На первом этапе 16 команд разбиты на 4 группы.
**A:** Аргентина, Бразилия, Испания, Корея
**B:** Австралия, Канада, Литва, Сенегал
**C**: РОССИЯ, Нигерия, Китай, США
**D:** Куба, Тайвань, Франция, Чехия

По итогам первого этапа по три лучшие команды из каждой группы образуют две шестерки. В одну из них войдут победители групп A и B, в другую – C и D. На этом этапе команды проведут по три игры с учетом результатов предварительного раунда. Из каждой шестерки по четыре команды выходят в плей-офф. Четвертьфиналы пройдут 20 сентября, полуфиналы – 21-го, матч за третье место и финал – 23-го.

**Расписание матчей сборной России на 1-м этапе**
*12 сентября: Россия – Нигерия.*
*13 сентября: Россия – Китай.*
*14 сентября: Россия - США.*

### ПОБЕДИТЕЛИ И ПРИЗЕРЫ ВСЕХ ЧЕМПИОНАТОВ МИРА

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1953 | США | Чили | Франция |
| 1957 | США | **СССР** | Чехословакия |
| 1959 | **СССР** | Болгария | Чехословакия |
| 1964 | **СССР** | Чехословакия | Болгария |
| 1967 | **СССР** | Корея | Чехословакия |
| 1971 | **СССР** | Чехословакия | Бразилия |
| 1975 | **СССР** | Япония | Чехословакия |
| 1979 | США | Корея | Канада |
| 1983 | **СССР** | США | Китай |
| 1986 | США | **СССР** | Канада |
| 1990 | США | Югославия | Куба |
| 1994 | Бразилия | Китай | США |
| 1998 | США | **Россия** | Австралия |
| 2002 | США | **Россия** | Австралия |

### РЕЙТИНГ ФИБА (участники ЧМ-2006)

| | | |
|---|---|---|
| 1. | США | 1130 |
| 2. | Россия | 843 |
| 3. | Австралия | 760 |
| 4. | Бразилия | 556 |
| 5. | Куба | 317 |
| 6. | Испания | 309 |
| 7. | Франция | 287 |
| 8. | Корея | 284,9 |
| 9. | Китай | 251,5 |
| 10. | Чехия | 244 |
| 12. | Литва | 159… |
| 15. | Канада | 139 |
| 16. | Аргентина | 132,4… |
| 18. | Сенегал | 116… |
| 22. | Нигерия | 62… |
| 24. | Тайвань | 52… |

СЛОВО - ЛИДЕРУ СБОРНОЙ

# *Илона КОРСТИН:* АМЕРИКАНОК НЕ БОИМСЯ

## Самая красивая баскетболистка мира готова променять этот неофициальный титул на золото стартующего в Бразилии мирового первенства

**Накануне отъезда женской сборной России по баскетболу на чемпионат мира корреспондент «Спорт уик-энда» связался с одним из лидеров команды Илоной КОРСТИН. Защитница самарского ЦСКА начинала свой путь в баскетболе в Василеостровской СДЮСШОР у супругов Владимира и Киры Тржескал.**

***- Можно ли сказать, что Владимир Иосифович и Кира Александровна сделали из вас профессионала?***

- Конечно. К тому времени, когда они отбирали девчонок в баскетбольную школу, я уже занималась легкой атлетикой и теннисом. Они проявили такую настойчивость, убеждая меня, совсем еще девчонку, сменить специализацию. Точнее, убеждали родителей: Кира Александровна чуть ли не каждый день созванивалась с ними и подолгу разговаривала. В конце концов уломала, и я отправилась на первую тренировку. Мне безумно понравилось. Ведь Владимир Иосифович – знаток своего дела, умеет занять девчонок развлекательными вроде бы играми, которые так или иначе подводят к серьезным занятиям баскетболом. Так и втянулась. А уж к выпускному классу тренировалась по три раза в день.

***- Не жалеете, что выбрали баскетбол? Ведь в теннисе и легкой атлетике гонорары выше...***

- Не все измеряется деньгами. Я занимаюсь любимым делом, и очень довольна своей судьбой

***- Доводилось слышать немало самых невероятных версий, связанных с вашим отъездом во Францию. Не могли бы внести ясность в этот вопрос?***

- К моменту, когда я заканчивала школу, мама вышла замуж за француза и перебралась в Страсбур. Через Тржескалов связалась с известным российским тренером Вадимом Капрановым, который тогда работал во французском клубе «Бурж». Он меня и пригласил в эту команду.

***- К моменту отъезда вы даже не говорили по-французски?***

- Нет, но язык выучила очень быстро. Разговорную речь – в быту и на тренировках, а грамматику – на специальных курсах. В первый год жизни во Франции я не могла играть за «Бурж», потому что считалась легионеркой. Обе вакансии для иностранок были заняты. Пока мне оформляли французский паспорт, прошло довольно много времени, и я только тренировалась. Была возможность ходить на курсы каждый день, и теперь с «родным» французским языком проблем нет.

***- Были ли у вас предложения сменить баскетбольное гражданство?***

- Руководители Федерации баскетбола Франции начали обхаживать меня с первого года пребывания в «Бурже». Мне сказали, что нужно три года не играть ни за одну российскую команду, и тогда мне без проблем оформят новое баскетбольное гражданство. Я честно ждала три года. Однажды даже на сбор съездила с командой, в которой был собран ближайший резерв национальной сборной Франции. Однако отведенный «испытательный срок» истек, а мне сказали, что необходимые бумаги еще не оформлены. Зато руководители российской команды проявили завидную настойчивость. И я решила играть за Россию. Никогда об этом не жалела. Тем более что вскоре перебралась из Буржа в Самару. Сейчас практически все баскетболистки рвутся в российскую Суперлигу.

***- Взаимоотношения внутри команды в России, Франции и США, где вы играли в женской НБА, отличаются?***

- В России все стараются быть подружками, во Франции кто-то принимает тебя в свою компанию, кто-то держится в стороне от нее. В Америке вообще каждый сам за себя.

***- Ставите ли вы для себя какие-то цели в баскетболе?***

- Поначалу, отвечая на этот вопрос, я говорила: «Хочу сыграть в WNBA и на Олимпиаде». Обе эти планки уже покорила. Только сейчас мне уже мало просто сыграть на крупном турнире или в хорошей команде. Знаете, как расстроилась в Афинах, когда мы завоевали только бронзу! Очень хочется выиграть что-то серьезное на уровне сборных. Предстоящий чемпионат мира – прекрасная возможность осуществить задуманное.

***- Удалось ли провести полноценную подготовку к этому турниру?***

- Судить об этом можно будет только после его завершения. В Испании были определенные проблемы организационного характера. Нам приходилось заниматься ОФП на стадионе при температуре, близкой к сорока градусам. Да и в зале, который нам предоставили гостеприимные хозяева, было немногим меньше из-за отсутствия вентиляции. Да только не в правилах русского человека жаловаться на подобные трудности.

***- Нет ли у сборной России своеобразного «американского комплекса» после поражений в двух последних финалах чемпионатов мира и полуфинале Олимпиады?***

- Не могу отвечать за всех. У меня точно нет. Мы играем против тех же американок в чемпионате российской Суперлиги и никаких комплексов не испытываем. Почему же он должен возникнуть, когда они наденут форму своей национальной сборной? Наша команда сейчас в хорошей форме, что показали последние контрольные матчи против сборной Чехии, а с мотивацией проблем не будет.

***- Напоследок вопрос, не связанный с чемпионатом мира. Как вы отнеслись к решению руководителей ФИБА сделать вас лицом женского баскетбола во всем мире?***

- Ничего против, естественно, не имела. Хотя для меня важнее, чтобы фотографы запечатлели Илону Корстин не на рекламных плакатах, а в компании подруг по сборной на высшей ступеньке пьедестала почета чемпионата мира.

***Материалы подготовил Дмитрий ПЕЧЕРСКИЙ.***

ЕВРОЛИГА-2006/07

# ПРИЗ АЛЕКСАНДРА ГОМЕЛЬСКОГО БУДЕТ ВРУЧЕН ГЛАВНОМУ ТРЕНЕРУ ЦСКА

Как мы уже сообщали, жеребьевка Евролиги состоится 14 сентября в Афинах. Вчера стало известно, как распределены по восьми корзинам двадцать четыре команды, которые поведут борьбу за трофей.

ЦСКА «посеян» в первой корзине вместе с израильским «Маккаби», а также испанским «Таугресом». Московское «Динамо» попало в шестую корзину с сербским «Партизаном» и французским «По-Ортезом».

**1 корзина:** ЦСКА (Россия), «Маккаби» Т-А (Израиль), «Таугрес» (Испания).

**2 корзина:** «Барселона» (Испания), «Олимпиакос» (Греция), «Панатинаикос» (Греция).

**3 корзина:** «Эфес Пилсен» (Турция), «Уникаха» (Испания), «Бенеттон» (Италия).

**4 корзина:** «Цибона» (Хорватия), «Климамио» (Италия), «Фенербахче» (Турция).

**5 корзина:** «Жальгирис» (Литва), «Олимпия» (Словения), «Сопот» (Польша).

**6 корзина:** «По-Ортез» (Франция), «Партизан» (Сербия), «Динамо» М (Россия).

**7 корзина:** «Арис» (Греция), «Рома» (Италия), «Ле Ман» (Франция).

**8 корзина:** «Ховентуд» (Испания), «Энерги» (Германия), «Наполи» (Италия).

В Афинах состоится и церемония награждения лучшего тренера Евролиги-2005/06. По итогам голосования 24-х наставников клубов, участвовавших в турнире, лучшим коллеги назвали **главного тренера ЦСКА Этторе Мессину**, которому будет вручен приз имени Александра Гомельского.

МИР БАСКЕТБОЛА
Ждем вас в нашем магазине!
Большой выбор баскетбольной формы, мячей, атрибутики БК «Динамо СПб», спортивной одежды и кроссовок AND1 а также разнообразных аксессуаров и сувениров с баскетбольной тематикой заслуживают вашего внимания.
Наш адрес: ул. Бабушкина д. 48 (м. Ломоносовская) с 11 до 20 часов ежедневно
Тел. 5607816

US Open. Финал

# МАРИЯ ЗАТМИЛА МАРТИНУ

## Своей победой на US OPEN Шарапова заставила забыть о прощальном матче «Бабушки мирового тенниса»

**Победив в решающем матче «посеянную» под вторым номером бельгийку Жюстин Энен-Арденн - 6:4, 6:4, третья ракетка турнира Мария Шарапова стала чемпионкой US Open-2006. Этот матч стал настоящим украшением турнира.**

**Перед началом встречи многие отдавали предпочтение Энен-Арденн. В нынешнем сезоне она справилась со своими болячками, из-за которых некоторое время назад под вопросом было продолжение ее теннисной карьеры. С начала года железная Жюстин уже успела выиграть пять состязаний WTA Tour и играла в финалах Открытых чемпионатов Австралии, Франции и Великобритании. Для полного комплекта не хватало только US Open, и Энен-Арденн оформила выход в финал в поединке с сербкой Еленой Янкович.**

На чем же базировались суждения специалистов, отдававших предпочтение бельгийской теннисистке перед ее российской соперницей? Во-первых, у Энен-Арденн есть бесценный опыт выступлений в финалах «Большого шлема». Только побед в турнирах подобного ранга в ее послужном списке пять. Во-вторых, для Шараповой именно Энен-Арденн является одной из самых неудобных соперниц. Только первая из пяти встреч, состоявшихся до рандеву в финале US Open-2006, закончилась победой Марии. В остальных преимущество Жюстин было очевидным. Причем два из четырех поражений от бельгийки лучшая на сегодняшний день российская теннисистка потерпела на турнирах «Большого шлема».

Шарапова, судя по всему, твердо решила именно сейчас, в Нью-Йорке, доказать, что статистические выкладки ровным счетом ничего не значат. «Для меня главным было выбрать правильный план на игру, - **сказала после завершения поединка Мария**. - Я знала, что нахожусь в хорошей форме, и на протяжении всех двух недель US Open не имела проблем с подачей. Необходимо было использовать этот козырь. Только этого было мало. Нужно было навязать сопернице свою игру, не давая ей совершать вылазки к сетке».

Этот стратегический план российская теннисистка без особых проблем воплотила в жизнь. Позволив сопернице в дебюте сделать брейк, Мария очень быстро выравняла положение и начала диктовать сопернице свою волю. За счет физической мощи Шарапова просто подавляла Энен-Арденн, возглавляющую, между прочим, сейчас чемпионскую гонку. После завершения встречи бельгийская теннисистка вынуждена была признать, что уступила сильнейшей.

Светилась от счастья на послематчевой пресс-конференции и новоиспеченная чемпионка US Open. «Конечно, выиграв в первый раз турнир «Большого шлема», я испытывала ни с чем не сравнимое ощущение, - **заявила Мария**. - Только сейчас эмоций не меньше. Победить на US Open для меня высочайшая честь. Нью-Йорк - мой любимый город, куда я с радостью приезжала еще девчонкой. Выиграть здесь было моей мечтой».

Удивительно, но после триумфа Марии американские репортеры не поинтересовались у нее, как она собирается поддерживать в решающем матче мужского турнира Энди Роддика. Чемпион US Open-2003 оправдал чаяния теннисной Америки и сумел добиться возможности встретиться с Роджером Федерером. Швейцарец, как и Энен-Арденн, в этом году финалы «Большого шлема» не пропускает. Первой ракетке мира, как мы уже сообщали, не составило особого труда преодолеть полуфинальный барьер в лице Николая Давыденко. Не сумел россиянин навязать свою игру титулованному сопернику в первых двух сетах, а с таким гандикапом Роджер никому не уступает.

Роддику пришлось посложнее. В первом сете героическими усилиями его соперник Михаил Южный довел дело до тай-брейка. Россиянин даже выиграл укороченный гейм, хотя было видно, как тяжело дается каждое очко. Вторая партия прошла под диктовку хозяина корта. Он выиграл ее «всухую». Да только победитель Рафаэля Надаля и не думал сдаваться. В третьем сете дело снова дошло до тай-брейка, но тут уж удача улыбнулась Роддику. После этого американец довел матч до победы.

Российский теннисист абсолютно не расстроился. «Я бы просто покрутил пальцем у виска, если бы кто-то две недели назад предсказал мой выход в полуфинал US Open, - **заявил Южный**. - Этот турнир - главное достижение во всей моей карьере».

Успешная игра наших лидеров в Нью-Йорке добавила головной боли капитану сборной России в Кубке Дэвиса Шамилю Тарпищеву. Ведь Давыденко и Южному очень проблематично будет сейчас успеть приспособиться к московскому часовому поясу и грунтовому покрытию, уложенному в «Олимпийском». Одно утешает: Роддик задержался в Нью-Йорке еще дольше.

Великолепная игра наших теннисистов и Марии Шараповой заслонила прелюбопытнейшие финалы в парных разрядах. В миксте вместе с Бобом Брайаном победу праздновала Мартина Навратилова, которой в октябре исполнится - страшно подумать! - 50. В финале американский дуэт одержал победу над чешской парой Квета Пешке/Мартин Дамм - 6:2, 6:3. Для Навратиловой это была десятая победа в миксте на турнирах «Большого шлема». К ним нужно прибавить еще 31 титул в парном женском разряде и 18 в одиночном. Вряд ли кто-то из современных звезд сможет превысить этот рекорд. Сама Навратилова заявила, что после успеха на US Open-2006 больше не будет играть в профессиональных турнирах, как бы ее ни уговаривали организаторы. Мол, пора уступать дорогу молодым, 40-летним, 30-летним и Шараповой.

Для Дамма финал в миксте оказался не единственным. Вместе с Леандером Паесом он играл в решающем поединке против белоруса Максима Мирного и шведа Йона Бьоркмана. После того, как Южный вместе с чехом Леушем Фридлем выбили из турнира братьев Брайанов, фаворитом считался имеющий второй в мире рейтинг белорусско-шведский дуэт. Однако прогнозам вопреки победу праздновал индийско-чешский - 6:7, 6:4, 6:3.

То, что среди победительниц в женском парном разряде окажется российская теннисистка, можно было смело утверждать еще до начала финала. До решающего матча добрались Динара Сафина вместе со словенкой Катариной Среботник и Вера Звонарева, игравшая вместе с француженкой Натали Деши. Победили Вера и Натали - 7:6; 7:5.

***Светлана НАУМОВА.***

# *Мария ШАРАПОВА:* «БОЛЬШОЙ ШЛЕМ» - ВИШЕНКА НА ТОРТЕ, У МЕНЯ В ЗАПАСЕ МНОГО ЯГОДОК. НАЙДУ КУДА ИХ ПРИСТРОИТЬ

***- Мария, не могли бы вы рассказать, как именно вы готовились к этому турниру, наверняка чувствуете, что получили сполна за проделанную работу?***

- Это абсолютно невероятно. Первое, что мне пришло в голову после того, как я опустилась на колени сразу после последнего розыгрыша - это то, сколько я всего сделала для достижения этого успеха, и даже несмотря на то что быть на корте вместе с выигранным трофеем приходится очень недолго, это все равно просто невероятно. Знаете, я пережила подобное два года назад, я знала, что на этом мои успехи не закончатся, ведь во мне еще очень много сил и желания. Та победа была лишь началом. А подготовка и проделанная работа заключается не только в двух предшествующих турниру неделях. Я начала готовиться ко всему этому, когда была еще маленькой девочкой, конечно, с помощью моей потрясающей семьи.

***- Ранее вы говорили о том, что между турниром в Лос-Анджелесе и US Open вы взяли двухнедельную передышку. Не расскажете, что именно вы делали в этот временной отрезок для того, чтобы улучшить свою игру?***

- Знаете, после Уимблдона я отдыхала неделю, вернулась в Калифорнию и работала с одним тренером по фитнесу на протяжении семи дней. Я проводила ежедневно около двух-трех часов, занимаясь с тренером; кроме того, примерно час работала непосредственно с мячом. Неделю спустя после этого я начала больше играть в теннис. Играла дважды в день, провела несколько спаррингов, по-прежнему немного занималась фитнесом, но уже одна, ну и еще понемногу занималась всем тем, что и за неделю до этого. Потом я поехала в Сан-Диего, там мне подумалось, что я двигаюсь как никогда в своей карьере.

***- Какова разница в ощущениях от первой победы на Уимблдоне и от триумфа на кортах Флэшинг Меддоуз?***

- Ну, я и сейчас шокирована тем, что мне удалось победить. Меня в дрожь бросает от того, что я приобрела опыт победы в еще одном «Большом шлеме», важно еще и то, что это другой турнир. Я имею в виду - ничто не сравнится с первой крупной победой, но выиграть во второй раз - это тоже, знаете, вроде как вишенка на тортике. Но у меня еще много вишенок в запасе для того, чтобы и им нашлось место на тортах, так что я смотрю в будущее в надежде их пристроить в нужное место *(улыбается)*.

***- Вы сегодня очень много подавали под форхенд Жюстин, это так? В итоге это принесло свои плоды, было ли это частью плана на игру?***

- Это вовсе не было чем-то обязательным, я хотела чередовать различные удары. Я хотела по-разному подавать, хотела, чтобы у Арденн были разные представления о моей подаче. Я хочу сказать, что мне удавалось это в полуфинальном матче против Амели Моресмо. Я считала, что до матча с француженкой подавала не очень хорошо, но в голове у меня крутилась мысль о том, что этот компонент может здорово меня выручить в матчах против соперниц экстракласса. Думаю, что сегодня подавала очень здорово.

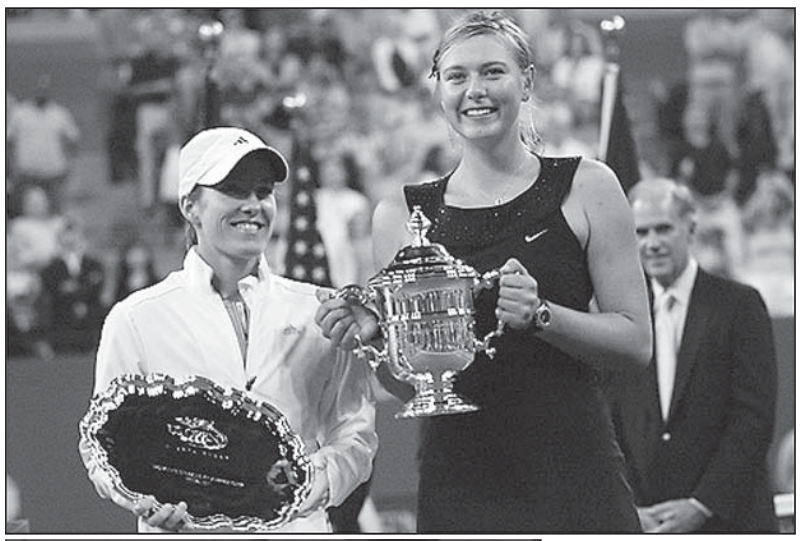

***- Ваш отец заявил, что перед финальным матчем не чувствовал волнения и был уверен, что вы добьетесь победы. Как себя чувствовали вы?***

- Я чувствовала себя расслабленной. Даже несмотря на то, что я проиграла первые два гейма и так рано отдала свою подачу, я совершенно не волновалась. Я действительно совсем не волновалась. Я проснулась и была рада тому, что мне предстоит сыграть в финале турнира «Большого шлема», я думала о том, как насладиться этим моментом, как сражаться до самого конца. Вот о чем я думала.

***- Вы были уверены в том, что выиграете?***

- Вообще-то я не была уверена в том, собираюсь ли проиграть (*смеется*). Когда я начинала матч, еще не знала, но была уверена, это точно.

***- Хотелось бы узнать, с кем вы собираетесь отпраздновать эту победу. Кому вы уже позвонили?***

- Маме, она была первой, кому я позвонила, а еще своему лучшему другу.

***- В этом матче порой вы играли от обороны, чего за вами не водилось еще в прошлом году.***

- Да, все верно. Многие из тех мячей, что я выиграла сегодня, вряд ли мне бы удалось взять в году прошлом. Против такой соперницы, против которой надо быть терпеливой, приходится бегать за многими мячами. Быть к этому готовой не только морально, но и физически. В этом году я себя чувствую гораздо лучше в плане физики.

***- Когда Жюстин выиграла здесь, она назвала свою победу «закрепительным Большим шлемом». Это ваш второй «Большой шлем», вы побеждали Ким Клийстерс, Амели Моресмо и Жюстин Энен-Арденн, трех первых теннисисток за последние два месяца. О чем это говорит?***

- Думаю, что нахожусь здесь не для того, чтобы самой себе расточать комплименты. Я не чувствую, будто я достигла своей цели, у меня впереди есть еще время и я собираюсь улучшать свою игру, я собираюсь стать более сильным игроком, нежели сейчас. А насчет «закрепительной победы» - мне нечего закреплять.

***- Вы сказали публике, что вы любите Нью-Йорк и что это ваш любимый город. Поясните.***

- Я первый раз очутилась в Нью-Йорке, когда мне было десять или одиннадцать лет. Тогда я не могла понять этот город, все в нем мне было чуждо. Но с каждым новым приездом, с каждым новым годом я открывала для себя все новые места в этом городе. В каждой его части абсолютно разные культуры, различные жизненные уклады, я нахожу достаточно забавным то, что через десять минут путешествия на такси по этому городу можно попасть в совершенно иную обстановку. В этом городе я чувствую себя комфортно. В отличие от некоторых, для меня этот город - не сумасшедший дом, я люблю Нью-Йорк потому, что мне всегда нравится быть чем-то занятой. Не могу просто сидеть дома и готовить. Это не про меня.

***Тарас БАРАБАШ.***

ВМЕСТЕ У ТЕЛЕЭКРАНА

# СПОРТИВНАЯ НЕДЕЛЯ: НАШИ РЕКОМЕНДАЦИИ

## Понедельник, 11 сентября

**ФУТБОЛ. Чемпионат России. Премьер-лига. 18-й тур**

«Ростов» - «Зенит» (повтор) - Телетрансляция: «Спорт», 15:20.

ЦСКА - «Спартак» М (повтор) - Телетрансляция: «Спорт», 17:40.

**Чемпионат Англии**

«Ридинг» - «Манчестер Сити» - Прямая телетрансляция: «Спорт», 22:55.

**ХОККЕЙ. Чемпионат России**

ЦСКА - «Металлург» Н (повтор) - Телетрансляция: «Спорт», 05:00.

**ВОДНОЕ ПОЛО. ЧЕ**

Мужчины. Финал - Телетрансляция из Белграда: «Спорт», 07:45.

**ЛЕГКАЯ АТЛЕТИКА**

Финал «Гран-при» - Телетрансляция из Германии: «Спорт», 09:10.

## Вторник, 12 сентября

**ФУТБОЛ. Лига чемпионов**

«Бавария» - «Спартак» М - Прямая телетрансляция: «Спорт», 22:30. Повтор - 13 сентября в 10:50.

«Рома» - «Шахтер» - Прямая телетрансляция: «Спорт», 00:45. Повтор - 13 сентября в 13:50.

**ХОККЕЙ. Чемпионат России**

«Авангард» - «Крылья Советов» - Прямая телетрансляция: «Спорт», 15:25. Повтор - 14 сентября в 02:40.

«Динамо» М - «Металлург» Мг - Прямая телетрансляция: «Спорт», 18:45. Повтор - 15 сентября в 02:45.

## Среда, 13 сентября

**ФУТБОЛ. Лига чемпионов**

«Гамбург» - «Арсенал» - Прямая телетрансляция: «Спорт», 22:30. Повтор - 14 сентября в 11:10.

«Порту» - ЦСКА - Телетрансляция: «Спорт», 00:45. Повтор - 14 сентября в 13:50.

**БАСКЕТБОЛ. ЧЕ - 2007**

Мужчины. Отборочный турнир. Россия - Бельгия - Прямая телетрансляция: «Спорт», 17:25.

**БАСКЕТБОЛ. Чемпионат мира**

Женщины. Россия - Нигерия - Телетрансляция из Бразилии: «Спорт», 05:00, 19:40.

## Четверг, 14 сентября

**ФУТБОЛ. Кубок УЕФА**

«Рубин» - «Парма» - Прямая телетрансляция: «Спорт», 17:25. Повтор - 15 сентября в 05:00.

«Локомотив» - «Варегем» - Прямая телетрансляция, «Спорт», 19:55. Повтор - 15 сентября в 13:50.

**БАСКЕТБОЛ. Чемпионат мира**

Женщины. Россия - Китай - Телетрансляция: «Спорт», 09:10, 23:05.

Женщины. Россия - США - Прямая телетрансляция: «Спорт», 00:25.

## Суббота, 16 сентября

**ФУТБОЛ. Чемпионат России. Премьер-лига. 19-й тур**

«Луч-Энергия» - «Москва» - Прямая телетрансляция: «Спорт», 11:55.

«Шинник» - «Сатурн» - Прямая телетрансляция: «Спорт», 13:55.

**ХОККЕЙ. Чемпионат России**

ЦСКА - «Динамо» М - Прямая телетрансляция: «Спорт», 16:45, в записи - 02:40.

**Финал Кубка Канады-81.** К 25-летию одной победы.

СССР - Канада - Телетрансляция: «Петербург», 00:45.

**БАСКЕТБОЛ. Чемпионат мира**

Женщины - - Телетрансляция из Бразилии: «Спорт», 22:25.

**ТЕННИС. Кубок Федерации**

Финал. Бельгия - Италия - Телетрансляция: «Спорт», 00:40.

## Воскресенье, 17 сентября

**ФУТБОЛ. Чемпионат России. Премьер-лига. 19-й тур**

«Томь» - ЦСКА - Прямая телетрансляция: «Спорт»,. 13:55.

«Зенит» - «Крылья Советов» - Прямая телетрансляция: «Петербург», 14:15.

«Локомотив» - «Спартак» - Прямая телетрансляция: «Первый», 14:00.

**Чемпионат Англии**

«Челси» - «Ливерпуль» - Прямая телетрансляция: «Спорт», 16:25.

**ХОККЕЙ. Чемпионат России**

«Амур» - «Локомотив» - Телетрансляция: «Спорт», 11:30.

**ЛЕГКАЯ АТЛЕТИКА**

Кубок мира - Прямая телетрансляция из Греции: «Спорт», 18:30.

**БАСКЕТБОЛ. Чемпионат мира**

Женщины - Телетрансляция из Бразилии: «Спорт», 22:25.

ВОДНОЕ ПОЛО. ЧЕМПИОНАТ ЕВРОПЫ

# ТРЕТЬЯ ПОПЫТКА: ЗОЛОТАЯ!

**Как мы уже сообщали, российские ватерполистки завоевали титул чемпионов Европы, обыграв в финале континентального первенства, проходившего в Белграде, сборную Италии со счетом 12:10 (4:2, 5:3, 1:2, 2:3). Два предыдущих финала россиянок были неудачными - никак не удавалось дотянуться до чемпионского звания. А вот третья попытка оказалась поистине золотой!**

**Звонок корреспондента «СУ» застал нашу сборную в московском аэропорту. В воскресенье, ближе к вечеру, команда чемпионок Европы возвратилась домой.**

## *Александр КЛЕЙМЕНОВ:* ИТАЛЬЯНКИ НЕ ОЖИДАЛИ ОТ НАС ТАКОЙ РЕШИМОСТИ

**Главный тренер сборной не скрывал своей радости, пообещав подробное интервью «Спорт уик-энду» по возвращении домой, а для начала рассказал о том, как складывалась финальная игра.**

***- После победы в полуфинале над венгерскими ватерполистками вы сказали, что это была лучшая игра вашей сборной на нынешнем чемпионате. А что думаете о финале?***

- В финале девчата сыграли просто замечательно! Такую решимость и полную самоотдачу каждого игрока в ходе матча редко увидишь. Я уже говорил, но такое ощущение было у меня, будто девчонки вышли на свой последний, решающий бой. Глаза светились решимостью! Очень хорошо, что нам удалось забросить быстрый мяч и довести вскоре счет до 3:0. Итальянки такого не ожидали. Это был если не нокаут, то уж во всяком случае - чувствительный нокдаун.

***- Именно таким был план на игру?***

- Важно было очень плотно сыграть в обороне, чтобы лишить соперниц возможности разыгрывать мяч и выводить своих игроков на бросок. Поэтому прессинговали соперниц очень плотно. Я очень рад, что девочкам удалось максимально реализовать установку на игру.

***Сдержать капитана сборной России Софью Конух - задача, которую итальянки в финале так и не решили.***

## *Екатерина ПАНТЮЛИНА:* ХОТЕЛИ ОТОМСТИТЬ ЗА ПОРАЖЕНИЕ

**В финальном матче против итальянок один из ключевых игроков сборной России юная нападающая «Уралочки-ЗМЗ» Екатерина ПАНТЮЛИНА отметилась двумя заброшенными мячами.**

***- Катя, как отпраздновали победу?***

- Для начала, как полагается, искупали в бассейне своих тренеров, а потом нас угостили шампанским. Все девчонки такие счастливые! До сих пор прыгаем и танцуем от радости!

***- О чем подумали, узнав, что в финале вас ждут итальянки?***

- Вначале думали, что проще будет в финале с испанками. Но когда в финал пробились наши самые-самые «любимые» соперницы, ничуть не расстроились. Обрадовались даже, потому что хотели отомстить им за то, что они у нас в группе выиграли.

***- Значит, робости и в помине никакой не было?***

- Наоборот - у нас появился такой заряд, такая спортивная злость на соперниц, что на решающий матч с ними выходили только с одной мыслью - победить! Иного и не допускали. Должны были доказать им и себе, что прежние поражения - не более чем досадные случайности.

***- За счет чего, в первую очередь, удалось одолеть столь принципиальных соперниц?***

- Думаю, за счет именно такого настроя. Команда у нас была единая, как кулак. В игре все помогали друг другу, старались не отдать итальянкам ни одного эпизода - в каждом фрагменте игры старались навязать им свою волю. Они такого не ожидали - привыкли всегда сами хозяйничать.

***- Значит, теперь вы знаете, как бороться с итальянками?***

- Пусть они теперь думают, как бороться с нами!

***- О чем сейчас мечтаете?***

- Поскорее домой! Сезон очень трудный, напряженный получился - хочется просто отдохнуть!

***Женщины. Матч за 3-е место.*** *Венгрия - Испания - 12:11.*

***Финал.*** *Россия - Италия - 12:10.* ***Голы России:*** *Ольга Фомичева - 3, Софья Конух, Екатерина Пантюлина, Елена Смурова - по 2, Наталья Шепелина, Юлия Гауфлер, Алена Вылегжанина - по 1.*

***Мужчины. Матч за 7-е место.*** *Хорватия - Германия - 11:7.* ***Матч за 5-е место.*** *Греция - Италия - 10:11 (в дополнительное время).* ***Матч за 3-е место.*** *Румыния - Испания - 4:10.* ***Финал.*** *Сербия - Венгрия - 9:8.*

БОКС. СУПЕРТЯЖЕЛЫЙ ДИВИЗИОН

# ВСТРЕЧАЙ, СТРАНА, СВОИХ ГЕРОЕВ!

## Олег Маскаев и Александр Поветкин проведут бои в Москве

**Чемпион WBC в супертяжелом весе Олег МАСКАЕВ проведет первую защиту своего титула в декабре этого года в Москве, - сообщил его промоутер Дэннис Раппапорт.**

«Мы собираемся провести бой в Москве, и это будет первый поединок за титул чемпиона мира, проведенный в этом городе, - **сказал Раппапорт.** - Он состоится в промежутке между 10 и 16 декабря, сейчас мы как раз окончательно определяемся с датой». Раппапорт отказался назвать кандидатуры вероятных соперников, сославшись на то, что не хочет этого делать, не имея подписи на контракте. Подчеркнул лишь, что это будет боксер из числа 12 наиболее высоко котируемых супертяжеловесов.

Промоутер Маскаева также рассказал о том, что в будущем у его подопечного есть несколько интересных предложений по организации боев. Речь зашла, в частности, об объединительных поединках с чемпионом IBF Владимиром Кличко и чемпионом WBA Николаем Валуевым. Кроме того, о своих правах заявляет обязательный претендент на титул в лице нигерийца Сэмюэля Питера, однако Раппапорт полагает, что WBC одобрит проведение Маскаевым добровольной защиты титула в декабре, так как они еще окончательно не определились с судьбой обязательной защиты.

Такое развитие событий совершенно не устраивает промоутера Питера Дино Дуву, который считает, что поединок Маскаев - Питер должен состояться немедленно. Он готов подать протест в WBC, если этого не произойдет. Подтвердил вероятность проведения своего боя в столице России и сам Олег Маскаев. Говоря о своем желании сразиться с чемпионом мира по версии Международной боксерской федерации (IBF) украинцем Владимиром Кличко, Олег сообщил, что вероятность такого боя остается высокой. «Мне очень жаль, что я не смог принять вызов Владимира провести бой 11 ноября, - **сказал Олег Маскаев**. - Но я реально не успевал восстановиться и залечить травму правой руки, полученную в бою с Хасимом Рахманом. А против такого соперника, как Владимир, нельзя выходить на ринг неподготовленным на все 100 процентов. Теперь, конечно, уже поздно, и моим следующим соперником станет явно не Кличко. Однако я надеюсь, что в случае успеха в бою, который должен пройти в середине декабря в Москве, у меня снова появится возможность сразиться с Кличко».

Также Олег Маскаев сказал, что имя его следующего соперника выяснится в самое ближайшее время. «Официальный претендент на титул нигериец Сэмюэль Питер меня как противник не очень интересует. Бой с ним ничего не даст мне ни в спортивном плане, ни в финансовом. Поэтому, надеюсь, WBC разрешит мне добровольную защиту титула», - **добавил Олег Маскаев**.

А тем временем сенсационная новость о возможном выступлении Маскаева в Москве обрастает дополнительными подробностями. Официальный сайт Федерации профессионального бокса России сообщает о том, что в предстоящем боксерском шоу примет участие и еще один известный российский супертяжеловес Александр Поветкин.

Пока же Поветкин готовится к бою, который запланирован у него на 23 сентября. В Москву уже прибыл экс-чемпион мира в тяжелом весе Альфред Коул для участия в подготовке Александра к предстоящему поединку. Спарринги с Коулом уже начались. Они проходят в Чехове и, по словам самого Поветкина, «очень и очень продуктивны». Одним из наиболее вероятных соперников на бой, который состоится 23 сентября в Германии, называют американца Эдда Махона.

ШАХМАТЫ. ОТ ПЕРВОГО ЛИЦА

# *Гарри КАСПАРОВ:* КРАМНИК МАЛО ВЫИГРЫВАЕТ, НО РЕДКО ПРОИГРЫВАЕТ. ОДНАКО ШАНСЫ ТОПАЛОВА ПРЕДПОЧТИТЕЛЬНЕЕ

**13-й чемпион мира по шахматам Гарри КАСПАРОВ провел онлайн-интервью в Интернете. Большая часть его была посвящена политической ситуации в стране и предстоящим в 2008 году президентским выборам. Ответил лидер Объединенного гражданского фронта и на несколько сугубо шахматных вопросов. Предлагаем вам познакомиться с нынешней шахматной позицией Гарри Кимовича.**

***- Рассматриваете ли вы возможность возвращения в профессиональные шахматы?***

- Нет, я принял окончательное решение - сменить род деятельности. Я продолжаю работать над шахматными книгами серии «Мои великие предшественники», сейчас в процессе сдачи шестой том, еще столько же будет написано в течение нескольких лет. Заинтересованно слежу за шахматной жизнью, турнирами, но уже - как сторонний наблюдатель. В шахматах добился даже большего, о чем мог мечтать, и мне кажется, человек всегда должен пытаться раздвигать свои горизонты. Если мне простят некую напыщенность выражения - то 25 лет я защищал цвета своей страны, считаю, что сейчас делаю то же самое.

***- Ваша судьба очень напоминает судьбу Роберта Фишера. Может, это какая-то закономерность, свойственная шахматистам?***

- В вопросе содержится некоторое абсолютно некорректное утверждение, делающее затруднительным мой ответ. Бобби Фишер нарушил определенные американские законы, и, соответственно, американский суд, который, на мой взгляд, явно не совпадающий с взглядом автора вопроса, обладает большей независимостью, чем суд Басманный, - принял решение о возбуждении уголовного дела. Другое дело, что американские власти явно не горели желанием добиваться экстрадиции Фишера, и только их подобной позицией можно объяснить тот факт, что Фишер спокойно живет сейчас по соседству, в Исландии, - несмотря на это «подвешенное» уголовное дело.

***- С чем было связано ваше решение начать конфронтацию с ФИДЕ 13 лет назад и не жалеете ли вы об этом сейчас, когда не без этого вашего шага прежняя ясная система с одним чемпионом мира фактически выродилась в фарс?***

- Конфронтация с ФИДЕ имеет более пролонгированную историю - это, скорее, уже 23 года, с 1983 г., но связана она, в первую очередь, с очевидной неспособностью ФИДЕ приспособить шахматы к современным профессиональным реалиям. За последние 30 лет, в послефишеровскую эпоху, в шахматах произошла полномасштабная профессиональная революция. Связанная с методами подготовки, с углублением дебютных анализов, появлением компьютеров. Сегодня гроссмейстер-тинейджер, благодаря этим компьютерным базам, знает больше о шахматах, чем Фишер 35 лет назад. То есть содержание шахмат - оно изменилось в сторону большей динамичности, сегодня требуется больше энергии, что, соответственно, понижает средний возраст шахматной элиты. А способы управления, менеджмент - остались в том, далеком, советском административном прошлом. И, к сожалению, за годы этого противостояния, реальных изменений не произошло. Хотя сегодня, я считаю, что многие мои действия в 1990-е гг. - они объективно не способствовали разрешению этого противоречия. Проблема в том, что я единственный, кто готов был взять на себя ответственность признать собственные ошибки, потому что шахматные функционеры и ведущие гроссмейстеры - они никогда не горели желанием разделять ответственность за судьбы шахматного мира.

***- Жалеете об этом?***

- Вообще, для человека, который принимал много решений в жизни, всегда есть возможность подумать о том, что я сделал не так и где я бы хотел свои решения откорректировать. Наверное, у меня были возможности ситуацию немного улучшить, но я сильно сомневаюсь, что эту неповоротливую махину ФИДЕ можно тогда было сдвинуть с места.

***- Кто в данный момент, по-вашему, имеет наибольшие шансы стать абсолютным чемпионом мира по шахматам - Крамник или Топалов?***

- Вообще в условиях такого ускорения процессов в шахматном мире, резкого омоложения элиты, конечно, держаться за традиционалистский подход в определении чемпиона мира довольно сложно. С моей точки зрения, во время этого раскола мое звание имело ценность, в первую очередь потому, что я неформально сохранял статус сильнейшего шахматиста мира. После нашего матча в Лондоне Крамник имел возможность доказать свое превосходство в турнирах, либо согласиться на проведение матча-реванша, когда стало очевидно, что он не может стать первым номером в рейтинг-листе. Его нежелание рисковать плодами победы в ситуации, когда он скатывался вниз в рейтинг-листе, на мой взгляд, лишило это звание символической легитимности. Топалов сегодня играет сильнее и интереснее других шахматистов. И то, что он, совмещая звание чемпиона ФИДЕ и первую строчку в рейтинг-листе, не случайно. Но матч один на один - это особое противостояние, в котором шансы Крамника нельзя недооценивать. Крамник мало выигрывает, но редко проигрывает. В турнирах этого недостаточно для победы, но в матче - это может явиться решающим фактором. Мне кажется, матч будет очень ровным и очень нервным. Потому что для любого шахматиста поражение означает серьезное падение статуса в шахматном мире. Если кто-то хочет сделать ставку - я затрудняюсь дать совет. Может быть, шансы Топалова чуть предпочтительнее, но для того, чтобы сделать какой-то вывод, я бы хотел посмотреть первые две партии, чтобы понять, кто в какой форме находится.

***- Дальнейшая судьба титула?***

- Это в какой-то мере перекликается с вопросом о едином кандидате в России. Надо определить принципы розыгрыша, которые будут представлять интерес для потенциальных спонсоров. То есть в политике нужно заинтересовать народ, избирателей, а здесь надо, чтобы новая формула опиралась на реальное профессиональное обеспечение рекламы. В шахматах сегодня нет такой системы, поэтому любой эксперимент сегодня - он зависит от возможности Илюмжинова «доставать кролика из шляпы».

**ВНИМАНИЮ ЧИТАТЕЛЕЙ И РАСПРОСТРАНИТЕЛЕЙ!**

**Следующий номер газеты выйдет в четверг, 14 сентября**

СПОРТ УИК-ЭНД

УЧРЕДИТЕЛЬ - Общество с ограниченной ответственностью «Редакция газеты «Спорт уик-энд»

Регистрационное свидетельство ПИ №№ 77-12887 выдано Министерством Российской Федерации по делам печати, телерадиовещания и средств массовых коммуникаций 10 июня 2002 г.

4 607115 730110

Редакция не несет ответственности за содержание рекламных объявлений. Точка зрения автора может не совпадать с позицией редакции. Рукописи не рецензируются и не возвращаются. При перепечатке материалов, опубликованных в «Спорт уик-энде», ссылка обязательна. Публикация материалов возможна только при наличии паспортных сведений об авторе, № пенсионного страхового удостоверения, ИНН.

*НАШ АДРЕС: 197110, Санкт-Петербург, пр. Динамо, д. 44, УСБ гребли.*

(812) 702-74-34 - *отдел рекламы*
(812) 380-74-64 - *отдел информации*
(812) 235-10-05 - *бухгалтерия*
*факс:* (812) 235-10-05, (812) 702-74-34
E-mail: info@sport-weekend.com
Адрес интернет-сайта: www.sport-weekend.com

Главный редактор Дмитрий ЗАХАРОВ

Товарный знак «Спорт уик-энд» зарегистрирован в Российском агентстве по патентам и товарным знакам.

Генеральный директор Александр КРАУЗЕ.
Дизайн и верстка: В. Писаренко, К. Захаров.

Отпечатано в типографии ООО «Фирма «Курьер» Санкт-Петербург, ул. Благодатная, 63.

Тираж - 27 000

Номер подписан к печати 11.09.2006 в 3.00
Заказ № 50